मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 19 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण शुक्ल 7 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 336, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ रत्ना के 'तुलसी', प्रभु राम के 'दास'

रानी को मिला बड़ा सम्मान ◀◀ 6

नीट-यूजी को फुलप्रूफ बनाने के लिए सरकार ने क्या किया? 3 हफ्ते में हलफनामा दाखिल करे केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी) । नीट-यूजी 2026 की परीक्षा और पेपर लीक से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि नीट-यूजी परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित और फुलप्रूफ बनाने के लिए सरकार ने अब तक क्या कदम उठाए हैं। बेंच ने केंद्र को 3 हफ्ते के अंदर इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 3 हफ्ते बाद होगी। याचिकाकताओं ने एनटीए पर सवाल उठाए हैं। याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट केंद्र सरकार को निर्देश दे कि या तो एनटीए को बदला जाए या फिर पूरी तरह एक नई और ज्यादा सुरक्षित संस्था बनाई जाए। याचिकाकताओं का कहना है कि नई संस्था तकनीकी रूप से मजबूत, ज्यादा सुरक्षित और स्वतंत्र तरीके से काम करने वाली होनी चाहिए।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को नीट का पूरा सिस्टम समझाया। उन्होंने कहा कि सिस्टम फुलप्रूफ है, लेकिन कुछ जगहों पर इंसानी दखल होता है।

उन्होंने बताया कि अगर फिजिक्स का 100 मार्क्स का पेपर चाहिए तो पहले कई मॉडरेटर से 500 सवालों का क्वेश्चन बैंक बनवाया जाता है। फिर मॉडरेटर का दूसरा सेट उसमें से 100-100 सवाल चुनकर 4 अलग-अलग क्वेश्चन पेपर बनाता है। इसके बाद डीजी एनटीए इन 4 में से सिर्फ 2 पेपर चुनते हैं। तब तक किसी को

नहीं पता होता कि आखिरी में कौन सा पेपर जाएगा।

इसके बाद पेपर को एक सीलबंद बॉक्स में रखकर दो अलग-अलग प्रिंटिंग प्रेस में भेजा जाता है। प्रिंटिंग प्रेस में सीसीटीवी और सीआईएसएफ की निगरानी होती है। एक अधिकारी डिजिटल चाबी लेकर जाता है। जब वह पहुंचता है तो प्रिंटिंग प्रेस का मालिक डीजी एनटीए को फोन करता है। इसके बाद कोड शेयर करके बॉक्स खोला जाता है। एक बार खुलने के बाद किसी बाहरी व्यक्ति को प्रिंटिंग प्रेस में घुसने की इजाजत नहीं है। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होती है।

एसजी ने बताया कि नियम के मुताबिक हर क्लासरूम में 24 स्टूडेंट होते हैं। ओएमआर शीट के साथ क्वेश्चन पेपर एक सीलबंद लिफाफे में होता है। उसे खोलने के लिए सील तोड़नी पड़ती है। तुषार मेहता ने कहा कि हर एग्जाम सेंटर पर पैक्ड क्वेश्चन पेपर भेजे जाते हैं। उन्हें लोहे के बॉक्स में पैक किया जाता है जिसमें नॉन-ओपनेबल लॉक लगा होता है। इसे सिर्फ तोड़ा जा सकता है, इसमें कोई चाबी या डिजिटल नंबर नहीं होता।

जिस गाड़ी में पेपर ले जाए जाते हैं वह जीपीएस से ट्रैक होती है। दो अलग-अलग बॉक्स में पेपर के दो सेट होते हैं। ये बॉक्स बैंकों के स्ट्रांग रूम में रखे जाते हैं। आमतौर पर ये एसबीआई या केनरा बैंक होते हैं।

मान लीजिए परीक्षा 1 फरवरी को है, तो सुबह सिटी कोऑर्डिनेटर को डीजी बताते हैं कि कौन सा सेट इस्तेमाल करना है। इसके बाद डीएम और अन्य अधिकारियों के साथ मोटरकेड में पेपर ले जाए जाते हैं। हर चीज की वीडियोग्राफी होती है। फिर पैकेट हर क्लास कोऑर्डिनेटर को दिए जाते हैं। सभी स्टूडेंट्स के सामने सील तोड़ी जाती है। परीक्षा के बाद पेपर इन्हीं स्टेज से वापस जमा होते हैं। कोर्ट ने एसजी की बात सुनने के बाद कहा कि आपने जो बताया वह पहले से ही राधाकृष्णन कमेटी के दायरे में है। कमेटी ने भी कहा था कि यह एक सिस्टमिक प्रॉब्लम है जिसे संस्थागत आकार देने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा, ₹हमारी चिंता है कि आप परीक्षा को कैसे इंस्टीट्यूशनलाइज करेंगे। सुरक्षित ऑफिस, कॉन्फिडेंशियल ऑपरेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर, साइबर सिक्योरिटी, टेस्टिंग सेंटर, सेंट्रल नेटवर्क ऑपरेटर, इन सबके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए।

बेंच ने कहा कि राधाकृष्णन कमेटी ने भी कहा था कि पेपर की सीलिंग जैसी प्रक्रिया एक परमानेंट कमेटी को करनी चाहिए। कितने डीजी, एडीजी नियुक्त हुए हैं, यह हम रेगुलर एफिडेविट से जानना चाहते हैं। कोर्ट ने कहा कि असल में जरूरत है ₹इंस्टीट्यूशनल मेमोरी और इंस्टीट्यूशनल एक्सपर्टीज₹ की। आपके पास आर एंड डी इंफ्रास्ट्रक्चर होना चाहिए। हर परीक्षा सिस्टम और टेक्नोलॉजी बदलती है। आप कौन सा सॉफ्टवेयर बना रहे हैं? एक स्वतंत्र डेटाबेस होना चाहिए। स्टोरेज का इंफ्रास्ट्रक्चर होना चाहिए। सिक्योरिटी के लिए डायरेक्टर रैंक का अधिकारी चाहिए। तभी पता चलेगा कि दिक्कतें कहां हैं। हमें एक वाइब्रेंट सिस्टम और इंस्टीट्यूशनलाइजेशन चाहिए।

एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि राधाकृष्णन कमेटी की सिफारिशों को सरकार ने मान लिया है। अब कोर्ट ने केंद्र सरकार को तीन हफ्ते में हलफनामा दाखिल कर बताने को कहा है कि नीट को फुलप्रूफ बनाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं।

बंगाल एसटीएफ ने आईएसआई से संबंध रखने वाले गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक के तीसरे सहयोगी को दबोचा

कोलकाता । पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से संबंध रखने वाले पाकिस्तानी नागरिक वहाब आलम के तीसरे स्थानीय सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। वहाब आलम को इसी महीने उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान जफर साम्स उर्फ सनी के रूप में हुई है। पूर्वी कोलकाता के टॉपसिया इलाके का मूल निवासी सनी वहाब आलम की गिरफ्तारी के बाद से फरार चल रहा था। आखिरकार उसे हुगली जिले के ऋषड़ा से गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, राज्य पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के समय और उससे संबंधित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए हैं।

एसटीएफ अधिकारी फिलहाल सनी से पूछताछ कर रहे हैं ताकि

आलम की गतिविधियों में उसकी भूमिका के बारे में जानकारी हासिल की जा सके। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹हमें संदेह है कि सनी ने उस स्लीपर सेल या नेटवर्क को मजबूत करने में भूमिका निभाई, जिसे आलम भारत से गोपनीय सूचनाएं आईएसआई तक पहुंचाने के लिए तैयार कर रहा था।

दो दिन पहले एसटीएफ ने आलम के एक अन्य सहयोगी इमरान हुसैन को टॉपसिया स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया था। इससे पहले एसटीएफ ने आलम के सबसे करीबी सहयोगी मोहम्मद एजाज को भी टॉपसिया स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया था।

आरोप है कि आलम 2012 में नेपाल के रास्ते अवैध रूप से पश्चिम बंगाल में प्रवेश करने के बाद एजाज के घर पर ठहरता था। साथ ही भारतीय पहचान संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने में एजाज की महत्वपूर्ण भूमिका थी। एसटीएफ को सनी के बारे में जानकारी आलम, एजाज और इमरान से पहले अलग-अलग और बाद में संयुक्त रूप से की गई पूछताछ के दौरान मिली। इससे पहले 14 अगस्त की रात एसटीएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा से लगे कूचबिहार जिले के साहेबगंज इलाके से तीन अन्य संदिग्ध पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया था। तीनों भारतीय नागरिक हैं। गिरफ्तार लोगों के नाम राशिदुल हक, नूर नासिरुद्दीन अली और शफीकुल इस्लाम हैं।

इस बीच, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने वहाब आलम के बारे में जानकारी एकत्र करना शुरू कर दिया है। यह कदम एसटीएफ की प्रारंभिक जांच के बाद उठाया गया, जिसमें आलम के आईएसआई से कथित संबंधों का खुलासा हुआ था।

एनआईए ने जांच से जुड़े विवरण और अब तक जुटाई गई जानकारी प्राप्त करने के लिए बंगाल एसटीएफ से संपर्क किया है। एनआईए आलम और एजाज से पूछताछ करेगी। आवश्यकता पड़ने पर इमरान हुसैन और कूचबिहार से गिरफ्तार किए गए अन्य तीन आरोपियों से भी पूछताछ की जाएगी।

हेमंत सरकार का बड़ा एक्शन, 22 परीक्षाएं रद्द, 23 की जांच के आदेश

संवाददाता

रांचीः झारखंड में सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर हेमंत सोरेन सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने एक साथ 22 परीक्षाएं रद्द करने, 6 परीक्षाओं को फिलहाल रोकने और 2013 से अब तक की 17 पुरानी परीक्षाओं को सीआईडी जांच के दायरे में लाने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि नियुक्ति परीक्षाओं को लेकर अब तक पूरे देश में किसी भी राज्य ने इतना बड़ा फैसला नहीं लिया है।

क्यों खास है झारखंड सरकार का फैसला : इस फैसले की खास बात यह है कि कार्रवाई केवल किसी एक पेपर लीक या एक भर्ती तक सीमित नहीं है। सरकार ने पुरानी परीक्षाओं की प्रक्रिया को भी जांच के दायरे में लाने का निर्णय लिया है। यही वजह है कि इसे झारखंड की भर्ती परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

देश के कई राज्यों में पेपर लीक या परीक्षा में गड़बड़ी सामने आने के बाद भर्ती परीक्षाएं रद्द की गई हैं। राजस्थान में फ्एएळ से जुड़े विवाद के बाद कार्रवाई हुई। उत्तराखंड में वङररउ की कई भर्तियों पर सवाल उठने के बाद बड़ी संख्या में नियुक्तियों और परीक्षाओं की समीक्षा हुई। उत्तर प्रदेश में भी पुलिस भर्ती परीक्षा पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द करनी पड़ी। मध्य प्रदेश में व्यापमं यानी व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा ली गई कई नियुक्ति परीक्षाओं के साथ-साथ एमबीबीएस में दाखिला से जुड़ा परीक्षा परिणाम अलग-अलग समय पर रद्द हुआ है।

लेकिन झारखंड के फैसले का दायरा इसलिए अलग नजर आता है क्योंकि यहां एक साथ कई परीक्षाओं पर निर्णय लेने के साथ पुरानी भर्ती परीक्षाओं को भी जांच के दायरे में लाया गया है। जबकि दूसरे प्रदेशों में विवाद सामने के बाद किसी खास परीक्षा को ही रद्द किया जाता रहा है।

इसका सीधा असर उन अभ्यर्थियों पर पड़ेगा, जिन्होंने इन परीक्षाओं में हिस्सा लिया था। कई उम्मीदवारों ने वर्षों तैयारी की है और कुछ मामलों में नियुक्तियां भी हो चुकी हैं। ऐसे में जांच के साथ यह भी बड़ी चुनौती होगी कि दोषियों पर कार्रवाई हो और जिन अभ्यर्थियों का कोई दोष नहीं है, उनके हित सुरक्षित रहें।

सरकार के सामने अब केवल परीक्षा रद्द करने का सवाल नहीं है। असली चुनौती यह होगी कि जांच कितनी तेजी और निष्पक्षता से पूरी होती है, गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान होती है या नहीं और प्रभावित अभ्यर्थियों के भविष्य को किस तरह सुरक्षित किया जाता है।

बोकारो में रेलकर्मी की सड़क हादसे में मौत, यूपी का रहने वाला था मृतक

बोकारोः जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र में गोस्वामी टोला के समीप मंगलवार रात ड्यूटी जाने के दौरान सड़क दुर्घटना में 45 वर्षीय अरविंद वर्मा की मौत हो गई। घटना एनएच-23 पर बालीडीह से जैनामोड़ जाने वाली सड़क पर हुई है। मृतक अरविंद वर्मा रेलवे आईआरसीटीसी के बेस किचन में मैनेजर पद पर कार्यरत था। मृतक की पहचान यूपी का रहने वाला के रूप में हुई है। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि रेलवे के बेस किचन में मैनेजर पद पर कार्यरत अरविंद वर्मा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया अरविंद वर्मा बाइक से बालीडीह गायत्री नगर से बालीडीह मोड़ स्थित बेस किचन की ओर लौट रहे थे। इस दौरान गोस्वामी टोला के समीप सड़क पार करने ही वाले थे कि बोकारो की ओर से तेज रफ्तार से आ रही ब्लोरो पिकअप वेन ने अपनी चपेट में ले लिया। अरविंद वर्मा को पिकअप ने घसीटते हुए करीब 30 मीटर तक ले गया। बालीडीह थाना इंस्पेक्टर जितेन्द्र कुमार ने कहा कि अनियंत्रित बोलेरो जो काफी तेज गति से आ रहा था ने धक्का मार दिया। जिसके कारण घटनास्थल पर ही रेल कर्मी की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने कहा कि गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। ड्राइवर की खोजबिन चल रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा। उन्होंने कहा मृतक वढ के रहने वाले हैं। परिजनों को सूचना दी जा रही है। घटना के संदर्भ में उचित कार्रवाई की जाएगी।

प. बंगालः कोलकाता के होटल में भीषण आग, 9 लोगों की दर्दनाक मौत, कई झुलसे

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में मंगलवार देर रात एक होटल में भीषण आग लग गई। इस हादसे में करीब 9 लोगों की मौत की खबर है। वहीं, 6 अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। अभी तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक मृतकों में 6 पुरुष, 2 महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं। इससे पहले सोमवार को तारापीठ के एक होटल में भी आग लगी थी।

देर रात मिर्जा गालिब स्ट्रीट पर स्थित एक होटल में आग लगने से इलाके में अफरातफरी मच गई। उस समय होटल में कई लोग मौजूद थे। कई लोग आग की लपटों और घने धुएं के बीच फंस गए थे। हालांकि नौ लोगों को बेहोशी की हालत में बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन खबरों के मुताबिक उन सभी की मौत हो चुकी है। हालांकि, अस्पताल या प्रशासन की ओर से इन मौतों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं की गई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रात करीब 2:00 बजे होटल से धुआं निकलता देखा गया। कुछ ही देर में आग कई

कमरों में फैल गई। फायर डिपार्टमेंट को सूचना दी गई और चार दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। डिजास्टर मैनेजमेंट फोर्स के जवान भी बचाव कार्य में शामिल हुए और अंदर फंसे लोगों को बचाने की कोशिश करने लगे। पुलिस के मुताबिक 60 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। वहीं, बचाव दल ने नौ बेहोश लोगों को बाहर निकाला और उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, मरने वालों में छह पुरुष, दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं। ऐसी भी खबरें हैं कि मरने वालों में से कुछ बांग्लादेशी नागरिक थे जो इलाज के लिए कोलकाता आए थे। शुरूआती जांच से पता चलता है कि आग एयर कंडीशनर में धमाके या शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो सकती है। इसके बाद आग कम से कम चार कमरों में फैल गई। आग की लपटों के साथ-साथ घना काला धुआं भी निकल रहा था और माना जा रहा है कि धुआं अंदर जाने से कई लोग बीमार पड़ गए। इस बीच, धुएं की वजह से छह और लोग बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है; उनकी हालत के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। आग लगने के बाद, कई लोग घबराकर छत पर भाग गए। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने और अंदर फंसे लोगों को बचाने के लिए एक साथ काम किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस ने होटल और उसके आस-पास के इलाके की घेराबंदी कर दी है और आग लगने की असल वजह का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। होटल का मालिक अभी तक नहीं मिला है, हालांकि जांचकताओं ने पूछताछ के लिए मैनेजर को हिरासत में लिया है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या होटल में आग से सुरक्षा के इंतजाम थे और क्या वह नियमों के मुताबिक चल रहा था। इस घटना ने एक बार फिर कोलकाता के होटलों में आग से सुरक्षा के मुद्दे को चर्चा में ला दिया है। ठीक दो दिन पहले, सोमवार को तारापीठ के एक होटल में लगी भीषण आग में नौ लोगों की मौत हो गई थी। उस घटना के बाद, इलाके के कई होटलों में आग से सुरक्षा के इंतजामों को लेकर कई शिकायतें सामने आई थीं। दमकल गाड़ियों के घटनास्थल तक पहुंचने की क्षमता को लेकर भी चिंताएं जताई गई थीं, क्योंकि कई होटल भीड़-भाड़ वाले इलाकों में स्थित हैं। ऐसे माहौल में, कोलकाता के व्यस्त न्यू मार्केट इलाके में एक होटल में लगी आग ने नई दहशत पैदा कर दी है।

ट्रंप ने कनाडा पर 50 फीसदी टैरिफ का फैसला टाला, कीस्टोन एक्सएल पाइपलाइन को फिर शुरू करने के संकेत

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाले करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर प्रस्तावित 50 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने के फैसले को तीन दिन के लिए टाल दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। ट्रंप ने मंगलवार देर रात सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने प्रस्तावित शुल्क को तीन दिन के लिए रोक दिया है, क्योंकि दोनों देशों के बीच एक समझौता हो गया है और अब दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन अभी कुछ मुद्दों पर काम किया जाना बाकी है। अमेरिका का प्रस्तावित 50 फीसदी टैरिफ कनाडा के कई उत्पादों को प्रभावित करता, जिनमें शराब, हॉकी उपकरण, लकड़ी और अन्य सामान शामिल हैं। ये शुल्क बुधवार से लागू होने वाले थे। दोनों देशों के बीच जारी व्यापार विवाद के बीच इस फैसले से तत्काल टकराव टल गया है।

ट्रंप ने इसी घोषणा में विवादित 'कीस्टोन एक्सएल तेल पाइपलाइन परियोजना' को फिर से शुरू करने के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना 'कब्र से बाहर आ सकती है,' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि पाइपलाइन को दोबारा शुरू करने का व्यापार समझौते से क्या संबंध होगा। कीस्टोन एक्सएल परियोजना का उद्देश्य कनाडा के अल्बर्टा प्रांत से कच्चे तेल को अमेरिका तक पहुंचाना था। तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2021 में इसका परमिट रद्द कर दिया था। ट्रंप लंबे समय से इस परियोजना के समर्थक रहे हैं।

अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार को लेकर तनाव पिछले कई महीनों से जारी है। प्रस्तावित नए टैरिफ को लेकर कनाडाई कारोबार जगत में चिंता बढ़ गई थी, क्योंकि इससे दोनों देशों के बीच पहले से मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं और कारोबार पर असर पड़ सकता था। दोनों देशों के अधिकारी अब व्यापक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं।

समाचार सार

राहम उपस्वास्थ्य केंद्र जर्जर, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

चतरा : टंडवा प्रखंड के राहम उप स्वास्थ्य केंद्र की जर्जर स्थिति को लेकर पंचायत समिति सदस्य विकास पांडे ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र की इमारत काफी जर्जर हो चुकी है, जिससे यहां इलाज कराने आने वाले मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कभी भी हादसा हो सकता है।पंसस विकास पांडे ने जिला प्रशासन से उपस्वास्थ्य केंद्र की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भवन की स्थिति को देखते हुए समय रहते आवश्यक कदम उठाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि डीएमएफटी में करोड़ों रुपये उपलब्ध होने के बावजूद टंडवा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों की स्थिति चिंताजनक है। स्वास्थ्य केंद्र जैसे महत्वपूर्ण संस्थान का जर्जर अवस्था में रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू कराने या नए भवन बनाने का मांग किया है।

मुख्यमंत्री की घोषणा की अनीता सिन्हा ने की सरहाना

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा सीजीएल परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्रों के हित में की गई घोषणा का महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेश महासचिव अनीता सिन्हा ने स्वागत किया उन्होंने मुख्यमंत्री की काम की सराहना करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन राज्य के युवाओं के बेहतर भविष्य और उनके हितों को लेकर हमेशा संवेदनशील रहे हैं अनीता सिन्हा ने कहा कि प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों की सरकार की ओर से सकारात्मक पहल और भरोसा बेहद महत्वपूर्ण है।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो ने भारत के टॉप 40 युवा इनोवेटर्स के नामों की घोषणा की

रांची : सैमसंग इंडिया ने आज सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' के टॉप 40 सेमी-फाइनलिस्ट टीमों की घोषणा की। यह युवाओं के लिए सैमसंग का खास इनोवेशन प्रोग्राम है, जो उन्हें अपने आस-पास की चुनौतियों को पहचानने और मेंटरशिप, टेक्नोलॉजी, प्रोटोटाइपिंग और प्रैक्टिकल लर्निंग के जरिए अपने आइडिया को समाधान में बदलने का मंच देता है।भारत में 2026 में अपने पांचवें एडिशन में चल रहा सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' 14 से 22 साल के युवाओं के लिए है और इसे देश की अगली पीढ़ी में समस्या सुलझाने की क्षमता और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है।टॉप 40 टीमें 15 राज्यों और 26 शहरों से हैं, जिनमें से आधी से ज्यादा टीमें टियर 2 और टियर 3 शहरों से हैं। वाराणसी, कोयंबटूर, गुंटूर, अमृतसर, सुंदरगढ़ और राजकोट के युवा इनोवेटर्स ने बड़े टेक्नोलॉजी और एजुकेशन हब की टीमों के साथ नेशनल सेमी-फाइनल में जगह बनाई है।इस शॉर्टलिस्ट में सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2026' के चार थीम - ' एआई लिविंग फॉर इंडिया', 'हेल्थ एंड एजुकेशन', 'एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी' और 'स्पोर्ट एंड टेक' - में से हर एक के लिए 10-10 टीमें शामिल हैं।ह्लइस साल के टॉप 40 में जो बात सबसे खास है, वह यह है कि युवा अपने आस-पास की दुनिया को कितनी बारीकी से देख रहे हैं। वे अपने समुदायों, क्लासरूम, खेतों, बिजनेस और खेल के मैदानों में समस्याओं की पहचान कर रहे हैं और यह सोच रहे हैं कि टेक्नोलॉजी कैसे बदलाव ला सकती है। यह बात बहुत उत्साहजनक है कि इनमें से आधी से ज्यादा टीमें टियर 2 और टियर 3 शहरों से हैं, क्योंकि इससे पता चलता है कि इनोवेशन की अगली पीढ़ी कहीं से भी आ सकती है। सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' के जरिए हमारी भूमिका इन युवा इनोवेटर्स को मेंटरशिप, टेक्नोलॉजी और ऐसे मौके देना है जिनसे वे अपनी सोच को असल बदलाव में बदल सकें। सैमसंग के भारत में 30 साल पूरे होने पर, हम उन आइडिया और टैलेंट में निवेश जारी रखना चाहते हैं जो देश के अगले 30 सालों को आकार देंगे,ह्व सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन ने कहा। सेमी-फाइनलिस्ट कई तरह के आइडिया पर काम कर रहे हैं, जैसे कि एआई टूल्स जो जरूरी और फाइनेंशियल जानकारी को ज्यादा लोगों तक पहुँचा सकें, खेती के कचरे (एग्रीकल्चरल रेज़िड्यू) के समाधान, दिव्यांग लोगों के लिए मददगार टेक्नोलॉजी, सस्ती हेल्थकेयर और शिक्षा के टूल्स, और खेलों को ज्यादा समावेशी बनाने वाली टेक्नोलॉजी।

खनिज क्षेत्र में सुधार से निवेश, रोजगार और विकास को मिलेगी रफ्तार

रांची: एमएमडीआर संशोधन विधेयक 2026 भारत के खनिज क्षेत्र में अधिक स्पष्ट और पूवार्नुमानित व्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रस्तावित सुधारों से दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा देने, घरेलू खनिज उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। खनन क्षेत्र में स्थिर शुल्क और नियामकीय व्यवस्था से नई परियोजनाओं के विकास तथा अन्वेषण गतिविधियों को गति मिलेगी। इसका असर खनन के साथ इस्पात, एल्युमीनियम, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों पर भी पड़ेगा। एक मजबूत घरेलू खनिज व्यवस्था से रॉयल्टी, नीलामी प्रीमियम, जिला खनिज फाउंडेशन और जीएसटी जैसे माध्यमों से राज्यों के राजस्व आधार को मजबूत करने में मदद मिलेगी। प्रस्तावित व्यवस्था में लघु खनिजों के नियमन में राज्यों की भूमिका बरकरार रहेगी। वहीं, भूमि अधिकारों और खनिज अधिकारों से जुड़े प्रावधानों में स्पष्टता से नियामकीय अनिश्चितता और विवाद कम होंगे। घरेलू खनिज उत्पादन बढ़ने से आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होने के साथ महत्वपूर्ण कच्चे माल की उपलब्धता में भी सुधार होगा। इससे उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और देश की खनिज सुरक्षा को मजबूत आधार मिलेगा।

जमशेदपुर एसएसपी बच्चे के साथ कोर्ट में हाजिर हुए

रांची : हाईकोर्ट में 3.5 साल के बच्चे के कस्टडी को लेकर सुनवाई हुई. मामला जमशेदपुर का होने के कारण जमशेदपुर एसएसपी बच्चे के साथ कोर्ट में हाजिर हुए. कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 24 अगस्त की तिथि निर्धारित की है, तब तक के लिए बच्चे को मां के हवाले किया गया है. बच्चे की मां ने आशंका जतायी थी कि बच्चे के पिता उसे विदेश लेकर जा सकते हैं, उसके बाद कोर्ट ने पुलिस को बच्चे का पासपोर्ट जब्त कर अपने कब्जे में लेने के आदेश दिया था. अब अगले आदेश तक बच्चा मां के पास रहेगा. इधर कोर्ट ने बच्चे के पिता को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है.

झारखंड लॉ ऑफिसर नियुक्ति नियमावली 2026 पर झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

रांची : राज्य सरकार द्वारा लागू की गई झारखंड लॉ ऑफिसर नियुक्ति नियमावली-2026 को चुनौती देने वाली लाल ज्ञान रंजन नाथ शाहदेव की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने महाधिवक्ता रोहित राय से कहा है कि जब तक मामले की सुनवाई पूरी न हो जाए, तब तक झारखंड लॉ ऑफिसर नियुक्ति से संबंधित प्रक्रिया आगे ना बढ़ाई जाए. इस पर महाधिवक्ता ने कोर्ट के समक्ष अपनी सहमति जताई. अब अदालत मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को करेगा. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता रितु कुमार ने पक्ष रखा. दरअसल, अधिवक्ता लाल ज्ञान रंजन नाथ शाहदेव की ओर से याचिका दायर की गई है. इसमें झारखंड लॉ ऑफिसर नियुक्ति नियमावली-2026 के तहत आवेदन मांगे जाने को चुनौती दी गई है.

मत्स्य निदेशालय द्वारा एक्वाकल्चर बीमा योजना जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मत्स्य संपदा का बीमा कराएं, आर्थिक सुरक्षा पाएं : मनोज कुमार

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अंतर्गत मत्स्य निदेशालय द्वारा मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र, शालीमार, धुर्वा में प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के अन्तर्गत दो दिवसीय बीमा जागरूकता कार्यक्रम ₹एक्वाकल्चर बीमा योजना जागरूकता₹ का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्यों एवं मत्स्य विभाग की योजनाओं से जुड़े लाभुकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज कुमार संयुक्त सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ने मत्स्य कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि मत्स्य संपदा का बीमा कराएं और आर्थिक सुरक्षा पाएं। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन में होने वाले संभावित नुकसान से मत्स्य कृषकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा मत्स्य संपदा के लिए बीमा योजना लागू की गई है। उन्होंने बीमा को मत्स्य कृषकों के लिए एक सशक्त आर्थिक कवच बताते हुए अधिक से अधिक मत्स्य कृषकों से एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीकरण कराने तथा योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

राजीव रंजन तिवारी, उप सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ने मत्स्य कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना, एनएफडीपी पंजीकरण तथा जलीय कृषि बीमा से संबंधित जानकारी प्रत्येक मत्स्य कृषक तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि योजनाओं की जानकारी और उनका सही समय पर लाभ उठाने से मत्स्य कृषकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा सकता है।

वहीं,अमरेन्द कुमार, निदेशक मत्स्य, झारखण्ड राँची ने कहा कि मत्स्य कृषकों को बीमा योजना के लाभों की जानकारी दी साथ ही उन्होंने कहा कि मत्स्य कृषकों के बीमा पॉलिसी से जुड़ने से उनकी आर्थिक सुरक्षा बनी रहेगी। उन्होंने मत्स्य कृषकों को बीमा योजना का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने की दिशा में मत्स्य निदेशालय द्वारा आवश्यक कदम उठाये जाने की बात कही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय गुप्ता, संयुक्त मत्स्य निदेशक एवं श्री शम्भु प्रसाद यादव, उप मत्स्य निदेशक, (जलाशय) ने कहा कि मत्स्य बीमा से संबंधित जानकारी मत्स्य कृषकों तक पहुंचना अत्यंत आवश्यक एवं जागरूकता के माध्यम से ही अधिक से अधिक किसान बीमा योजना का लाभ उठा सकेंगे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों से आए मत्स्य कृषकों की बीमा योजना से संबंधित जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान किया गया। कृषकों ने अपने अनुभव भी साझा किए तथा बीमा योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

कार्यक्रम में एनएफडीबी, हैदराबाद के सीनियर इंश्योरेंस विशेषज्ञ अमर कुमार नायक, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी रांची की आशा प्रसाद, (क्षेत्रीय प्रबंधक) एवं मनीषा टोप्पो, (उप प्रबंधक) सहित अन्य विशेषज्ञों ने मत्स्य कृषकों को जलीय कृषि बीमा योजना, बीमा प्रक्रिया एवं इसके लाभों से अवगत कराया। साथ ही विवेकानन्द पाण्डेय सीएससी एवं उनकी टीम के द्वारा मत्स्य कृषकों को एनएफडीबी में पंजीकरण की प्रक्रिया बतलाई गई एवं कार्यक्रमे में भाग लेने वाले मत्स्य पंजीकरण भी कराया गया। कार्यक्रम में मनोज कुमार, संयुक्त सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारि राजीव रंजन तिवारी, उप सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, अमरेन्द्र कुमार, निदेशक मत्स्य, झारखंड, संजय गुप्ता, संयुक्त मत्स्य निदेशक, शम्भु प्रसाद यादव, उप मत्स्य निदेशक (जलाशय), रांची की आशा प्रसाद, (क्षेत्रीय प्रबंधक) एवं मनीषा टोप्पो, (उप प्रबंधक), जयंत रंजन, मुख्य अनुदेशक सहित मत्स्य निदेशालय एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हंटरगंज में दर्दनाक सड़क हादसे में रामगढ़ के युवक की दर्दनाक मौत

दो बाइक की आमने-सामने की हुई टक्कर

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के चतरा-डोभी मुख्य पथ एनएच-22 पर गोडवाली स्कूल के समीप सोमवार देर शाम दो बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर में एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक की पहचान रामगढ़ जिले के परसोतिया वार्ड नंबर चार निवासी कारू राम के 45 वर्षीय पुत्र सुनील रविदास के रूप में हुई है। बताया गया कि सुनील हजारीबाग से हंटरगंज के रास्ते अपनी पत्नी से मिलने बिहार के बहेरा जा रहा था। उसकी पत्नी डोभी थाना क्षेत्र

के प्राथमिक विद्यालय नकटैया में टीआरई-3 के तहत शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं और बहेरा में किराये के कमरे में रहती हैं।इसी दौरान गोडवाली स्कूल के समीप सामने से आ रही अपाचे बाइक से सुनील की बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सुनील को तत्काल हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालांकि चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। वहीं दोनों बाइक को जब्त कर थाना लाया गया है। वहीं दूसरी बाइक के चालक की पहचान बाइक नंबर के आधार पर करने में पुलिस जुटी हुई है।

राजस्थान में काम करने गया मनोज भुईयां लापता

तीन दिन से बंद है मोबाइल, पत्नी और पांच बच्चों की बढ़ी चिंता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड के तरवागड़ा गांव निवासी मजदूर मनोज भुईयां के राजस्थान से अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। बीते तीन दिनों से उसका मोबाइल बंद है और परिजनों से किसी प्रकार का संपर्क नहीं हो पा रहा है। पति के लापता होने से पत्नी गीता देवी समेत परिवार के पांच बच्चों की चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार, तरवागड़ा निवासी तिलक भुईयां के 38 वर्षीय पुत्र मनोज भुईयां करीब दो माह पहले रोजी-रोटी की तलाश में राजस्थान के बीकानेर स्थित बारला के केसीसी सौर ऊर्जा संयंत्र में खाना बनाने का काम करने गया था। वहां रहने के दौरान वह नियमित रूप से पत्नी और अन्य परिजनों से बातचीत

करता था।परिजनों के अनुसार, 15 अगस्त से मनोज का मोबाइल लगातार बंद बता रहा है। कई बार संपर्क करने के बाद भी जब कोई जानकारी नहीं मिली तो परिवार ने राजस्थान स्थित संबंधित संयंत्र के प्रबंधक से बात की। प्रबंधक ने बताया कि मनोज का काम का हिसाब कर दिया गया था और वह रुपये लेकर गांव जाने की बात कहकर वहां से निकल गया था। इसके बाद से वह न तो घर पहुंचा और न ही परिवार के किसी सदस्य से संपर्क किया।मनोज के अचानक गायब होने से उसकी पत्नी गीता देवी काफी परेशान हैं। उन्होंने बताया कि परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं तथा घर की आर्थिक व्यवस्था मुख्य रूप से मनोज की कमाई पर निर्भर थी। ऐसे में उसके लापता होने से परिवार के सामने आर्थिक परेशानी के साथ-साथ अनहोनी की आशंका भी बनी हुई है।परिजनों ने पुलिस-प्रशासन, जनप्रतिनिधियों तथा आम लोगों से मनोज भुईयां की तलाश में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को मनोज के संबंध में कोई जानकारी मिले या वह कहीं दिखाई दे तो तत्काल परिजनों को सूचित करें।

शिव शक्ति सेवा दल ने की कांवरियों की सेवा

रांची : शिव शक्ति सेवा दल के द्वारा कांवरियों की की गई सेवा सावन माह के तीसरे सोमवार को शिव शक्ति सेवा दल के द्वारा सेवा भावना का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया कांवरियों की सुधि लेते हुए उन्हें यथासंभव सेवा भावना से उन्हें राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया विदित हो कि अपने बेहतर और उत्कृष्ट कार्यो से सामाजिक कार्यों को भरपूर गति और प्रोत्साहन देने के लिए पहचाने जाने वाले शिव शक्ति सेवा दल के द्वारा हमेशा मानवता और संवेदना को प्राथमिकता के साथ जन सेवा में कार्य करते इन्हें देखा जाता है।

गैंगस्टर प्रिंस खान के सहयोगी राहुल राणा की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित, इश्तेहार रद्द

रांची : कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के सहयोगी बताए जा रहे राहुल राणा की अग्रिम जमानत याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने पुलिस और आरोपी पक्ष का तर्क सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राहुल राणा के खिलाफ पुलिस द्वारा जारी इश्तेहार को रद्द कर दिया है।

होटल में वेटर हत्या मामले में वांछित : राहुल राणा फिलहाल पुलिस की गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहा है। उस पर प्रिंस खान के लिए काम करने और रंगदारी के नेटवर्क में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। पुलिस को रांची एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के होटल टी टॉस में हुई एक वेटर की हत्या के मामले में राहुल राणा की तलाश है। इस संबंध में एयरपोर्ट थाना में कांड संख्या 12/2026 दर्ज है। पुलिस लगातार उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। गिरफ्तारी से बचने के लिए ही राहुल राणा ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। अब हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार किया जा रहा है।

जेपीएससी-जेएसएससी-सीजीएल लीक या रद्द होना: युवाओं के भविष्य से खिलवाड़

अमित कुमार

झारखंड और पूरे देश के लाखों युवा हर साल जेपीएससी-जेएसएससी और एसएससी सीजीएल जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना खून-पसीना एक कर देते हैं। दिन-रात पढ़ाई, घर-परिवार की उम्मीदें, और सरकारी नौकरी का सपना ही उनकी पूंजी होती है। लेकिन जब परीक्षा रद्द होने की खबर आती है, तो ये सपना चकनाचूर हो जाता है पिछले कुछ सालों से पेपर लीक, धांधली और प्रशासनिक लापरवाही के कारण खढरउ, खररउ और उत्क्छ की परीक्षाएं बार-बार रद्द हो रही हैं। नतीजा? युवा सड़क पर हैं, आंदोलन कर रहे हैं, और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं, विधायिका इस देश में सर्वोपरि है वह विधायिका जिसे हम अपने बीच से जनप्रतिनिधि के रूप में वोट के माध्यम से नियुक्त करते हैं उनमें से ही कोई विधायक कोई मंत्री कोई सांसद कोई मुख्यमंत्री कोई प्रधानमंत्री बनते हैं हमारे बीच से बने उन्ही

जनप्रतिनिधियों से बात करना कठिन हो जाता है उनके रहते ही जनता को कष्ट होता है जब वह अपने जीवन में वीआईपी कल्चर को अपना लेते हैं ऐसा लगता ही नहीं है कि वह वही व्यक्ति है जो चुनाव के वक्त हमारे दरवाजे पर हाथ जोड़कर वोट मांगता हुआ नजर आता है आज उन्हें जनप्रतिनिधियों से अपनी मांग मनवाने के लिए छात्रों को बारिश के मौसम में पिछले 20-22 दिनों से अनशन एवं धरना पर बैठना पड़ा आज भी अधूरे मांग के साथ परीक्षाओं को कैंसिल करने की घोषणा तो मुख्यमंत्री के द्वारा हो चुका है परंतु उसमें जो छात्र अपनी मेहनत से परीक्षा पास किए थे उनका क्या दोष क्या ऐसी व्यवस्था को बदलने की जरूरत नहीं है इसके दोषिकार को सख्त से सख्त कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी परीक्षाओं में गड़बड़ी करें तो उसे उसी कानून के अंतर्गत सख्त सजा की व्यवस्था हो, जब सरकारें खुद समय पर परीक्षा नहीं करा पातीं, तो युवाओं का सिस्टम से भरोसा उठ जाता है एक छात्र परीक्षा फॉर्म, कोचिंग, किताब और यात्रा पर 30-40 हजार रुपए खर्च कर देता है। परिक्षा रद्द होने पर ये सब बर्बाद हो जाता है 2-3 साल की मेहनत एक नोटिस से खत्म ओवरएज होने का डर हर युवा को सताता है सरकार को चाहिये कि पेपर लीक रोकने के लिए उइक जांच और दोषियों पर ठरअ जैसी कड़ी कार्रवाई हो सरकार इस जांच में विलंब करती है तो इसे हाई कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेकर जांच का आदेश देना ताकि इसमें शामिल लोगों सजा मिल सके भविष्य के लिए साल भर पहले परीक्षा का कैलेंडर घोषित हो ताकि छात्र प्लानिंग कर सकें जिन छात्रों का फॉर्म और मेहनत बर्बाद हुई, उन्हें फॉर्म शुल्क वापस और अगली परीक्षा में फ्री अटेम्प्ट मिलना चाहिए, हर परिक्षा प्रक्रिया ऑनलाइन और उउळश की निगरानी में होनी चाहिए झारखंड ₹युवाओं का राज्य₹ कहलाता है। यहां के आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चे सरकारी नौकरी को ही आगे बढ़ने का रास्ता मानते हैं। उनके साथ अन्याय मतलब पूरे राज्य के भविष्य से खिलवाड़ है सरकार से को चाहिये कि राजनीति से ऊपर उठकर युवाओं के भविष्य को प्राथमिकता दे परीक्षा रद्द करने की संस्कृति बंद हो, वरना सड़कों पर उतरा युवा आंदोलन और बड़ा होगा आज नहीं तो कल इन वीआईपी कल्चर के नेताओं को अपने पद से हाथ धोना पड़ेगा जल, जंगल, जमीन के साथ अब युवाओं के अधिकार भी बचाने होंगे।

एआई डेटा एनालिटिक्स और एंटरप्राइज डिजिटल सॉल्यूशंस में विस्तार का संकेत

रांची : सेटलमिंट इंडिया ने आज अपनी रणनीतिक रीब्रांडिंग की घोषणा करते हुए नया नाम क्वाडसेंट्रिक्स अपनाया, जो एक ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ कंपनी से एक व्यापक एंटरप्राइज डिजिटल सॉल्यूशंस प्रदाता के रूप में कंपनी के विकास को दर्शाता है। यह नई पहचान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटा एनालिटिक्स और अन्य उभरती तकनीकों में कंपनी की विस्तारित क्षमताओं को प्रतिबिंबित करती है, जिससे यह उद्यमों को दिनों-दिन जटिल होती डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन यात्राओं में मदद करने के लिए तैयार है।यह रीब्रांडिंग ऐसे समय में हुई है जब भारत का एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। फॉर्च्यून बिजनेस इनसाइट्स के अनुसार, देश का एंटरप्राइज एआई बाजार 2025 में लगभग 13 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2032 तक 130 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, वहीं आईबीएम के ग्लोबल एआई एडॉप्शन इंडेक्स के अनुसार भारत के 59% बड़े उद्यमों में एआई पहले से ही सक्रिय रूप से इस्तेमाल हो रहा है, जो सर्वेक्षण में शामिल देशों में सबसे अधिक है। जैसे-जैसे यह बदलाव तेज हो रहा है, उद्यम अब विभिन्न विक्रेताओं से अलग-अलग समाधान जोड़ने के बजाय एक ऐसे एकल टेक्नोलॉजी पार्टनर की तलाश कर रहे हैं जो एआई, ब्लॉकचेन और डेटा के बीच सहजता से काम कर सके।क्वाडसेंट्रिक्स जो पहले सेटलमिंट इंडिया के नाम से जानी जाती थी, इसी मांग को पूरा करने के लिए सामने आई है। यह रीब्रांडिंग कंपनी के एक ब्लॉकचेन विशेषज्ञ से एक पूर्ण-स्पेक्ट्रम टेक्नोलॉजी पार्टनर के रूप में विकास को दर्शाती है, जो एंटरप्राइज एआई ऑर्केस्ट्रेशन ब्लॉकचेन ट्रस्ट और डेटा ट्रांसफॉर्मेशन तक फैला हुआ है।2019 में स्थापित इस कंपनी ने छह वर्षों से अधिक समय एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने में बिताया है,

नौकरी से हटाये जाने के बाद कर्मियों ने किया प्रदर्शन

रांची : सरकार द्वारा नौकरी से हटाये जाने के बाद पदाधिकारियों व कर्मियों ने आंदोलन शुरू कर दिया है. सरकारी कर्मियों ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन के गेट पर प्रदर्शन किया. उन्होंने नारा लगाया- इंसाफ दो या फांसी दो. यह नारा हुए सभी प्रोजेक्ट बिल्डिंग के भीतर भी चले गए. नौकरी से हटाये जाने के बाद सहायकों ने प्रोजेक्ट के बाहर धरना शुरू किया है।

धरना देते पास अभ्यर्थी : तेज बारिश के बीच भी ये अभ्यर्थी रातभर प्रोजेक्ट भवन के बाहर डटे रहे. क्योंकि सवाल अब पूरी जिंदगी का है. उनका साफ कहना है कि या तो हमें इंसाफ दो या फांसी दे दो. पहले तो ये सभी प्रोजेक्ट भवन के बाहर धरना दे रहे थे, लेकिन अब ये लोग परिसर में घुस गये हैं और वहीं लगातार नारेबाजी कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि छात्रों के आंदोलन को देखते हुए सरकार ने जेपीएससी व जेएसएससी के उन परीक्षाओं को रद्द कर दिया है, जिसकी नियुक्ति में टीडीपीएल शामिल था. इसके साथ ही सरकार ने साल 2014 के बाद हुई नियुक्तियों की जांच व समीक्षा करने का आदेश दिया है.

सफल अभ्यर्थियों व नौकरी से हटाये गये लोगों का कहना है कि उनकी गलती नहीं है. उनकी नियुक्ति में गड़बड़ी नहीं हुई है. अगर किसी की नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है, तो सरकार उसे सजा दे. लेकिन जिन युवकों ने मेहनत के बल पर सफलता हासिल की है, उसे सजा क्यों दी जा रही है।

धरना दे रहे कुछ सहायकों का कहना है कि उन्होंने नौकरी से त्याग पत्र देकर झारखंड में काम करने का रास्ता चुना. मेहनत की. परीक्षा दी. इंटरव्यू दिया और हमें नौकरी मिली. हमें झारखंड में काम करने का मौका मिला, लेकिन अब सरकार छात्रों के दवाब में आकर हमें बेरोजगार बना रही है. हमारे साथ अन्याय हो रहा है।

श्री श्याम मंदिर में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 217वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। इस दौरान राम सिया राम, सिया राम जय जय राम के मधुर गायन और बजरंगबली के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

मंडल के निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने आशा मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्वलित कराई। इसके बाद केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल का भोग अर्पित किया गया। आशा मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का विधिवत पूजन कर पाठ वाचकों का चंदन-वंदन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने सहयोगियों के साथ ढोलक और ढपली की संगत में श्री गणेश वंदना के साथ हनुमान चालीसा पाठ की शुरूआत की। इसके बाद भक्तों ने सामूहिक रूप से संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया। भजनों के दौरान श्रद्धालु हनुमान जी की आराधना में लीन नजर आए। सुंदरकांड पाठ के समापन के बाद पुनः हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। तत्पश्चात महाआरती हुई और भक्तों के बीच प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद, पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा, मनीष साहू ने गिरिगोला तथा राजेश जायसवाल ने फल प्रसाद की सेवा निवेदित की। कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़ियां, कृष्णा, अंकित सिंह, ऋषभ चौरसिया, हिमांशु कुमार सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

22 अगस्त को होगा 213वां श्री श्याम भंडारा : मंडल की ओर से 22 अगस्त हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 213वें श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से भंडारे में शामिल होने का आग्रह किया है। उक्त जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

सैनिक स्कूल घोराखाल में बछेंद्री पाल गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सैनिक स्कूल घोराखाल, नैनीताल में नवनिर्मित ह्यबछेंद्री पाल गर्ल्स हॉस्टलह्न का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नया छात्रावास सैनिक स्कूल की उस यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसका उद्देश्य गर्ल कैडेट्स को समान अवसर, सुरक्षित वातावरण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

संजय सेठ ने बताया कि सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश की ऐतिहासिक पहल वर्ष 2018-19 के शैक्षणिक सत्र में मिजोरम के सैनिक स्कूल छिंगछिप में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू हुई थी। सैनिक स्कूल घोराखाल में पहली बार 2020-21 के शैक्षणिक सत्र में लड़कियों को प्रवेश दिया गया। पहले बैच में सात गर्ल कैडेट्स शामिल थीं। वर्तमान में यहां गर्ल कैडेट्स की संख्या बढ़कर 58 हो गई है।

3.30 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ छात्रावास : नवनिर्मित गर्ल्स हॉस्टल के लिए रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली की ओर से 3,30,30,303 रुपये की ग्रांट उपलब्ध कराई गई। आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह छात्रावास गर्ल कैडेट्स को सुरक्षित और सहयोगी आवासीय वातावरण प्रदान करेगा। इससे छात्राएं अपनी पढ़ाई के साथ सैन्य प्रशिक्षण और अन्य गतिविधियों पर बेहतर तरीके से ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

हॉस्टल का नाम प्रसिद्ध भारतीय पर्वतारोही बछेंद्री पाल के नाम पर रखा गया है। वह माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उनके नाम का चयन साहस, दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और उत्कृष्टता की भावना के प्रतीक के रूप में किया गया है।

रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि बेटियों को समान अवसर और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि देश की बेटियों को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण देकर उन्हें ह्यविकसित भारत 2047ह्न के निर्माण में प्रभावी योगदान के लिए तैयार किया जा रहा है।

आधुनिक होंगे रांची के प्रमुख बाजार, मल्टीलेवल पार्किंग और बेहतर यातायात व्यवस्था पर जोर

डेली मार्केट, न्यू मार्केट, अपर बाजार और बकरी बाजार के पुनर्विकास की योजना पर मंथन

संवाददाता

रांची : शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों को आधुनिक, सुव्यवस्थित और नागरिक सुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में रांची नगर निगम ने पहल तेज कर दी है। बाजारों के सुनियोजित पुनर्विकास और आधुनिकीकरण को लेकर मंगलवार को नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में द्वितीय चरण की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पूर्व की चचाओं और दुकानदारों से प्राप्त सुझावों को शामिल करते हुए एनबीसीसी के पदाधिकारियों ने डेली मार्केट, न्यू मार्केट, अपर बाजार सहित प्रमुख बाजार क्षेत्रों के पुनर्विकास से संबंधित लेआउट और डिजाइन का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया।

प्रस्तावित योजनाओं में आधुनिक व्यावसायिक परिसर के साथ मल्टीलेवल पार्किंग, बेहतर यातायात प्रबंधन, सुगम आवागमन, स्वच्छता, नागरिक सुविधाओं और सार्वजनिक स्थलों के विकास को प्राथमिकता दी गई है। नगर निगम का उद्देश्य पुराने बाजारों का केवल पुनर्निर्माण करना नहीं, बल्कि उन्हें वर्तमान और भविष्य की शहरी जरूरतों के अनुरूप सुरक्षित, व्यवस्थित और नागरिक केंद्रित व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित करना है।

इन बाजारों के पुनर्विकास का प्रस्ताव : एलके सहाय डेली मार्केट, मेन रोडः करीब 2.16 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक व्यावसायिक एवं पार्किंग सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव है। योजना में पार्किंग संरचनाओं के साथ दो कमर्शियल-कम-होटल भवनों का प्रावधान किया गया है।

न्यू मार्केट, रांची रोडः लगभग 1.71 एकड़ के त्रिकोणीय भूखंड पर आधुनिक दुकान एवं कार्यालय परिसर विकसित करने की योजना प्रस्तुत की गई है।

खादगढ़ा बस स्टैंडः करीब एक एकड़ भूमि पर आधुनिक कमर्शियल-कम-होटल भवन विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया है।

बकरी बाजारः नगर निगम की भूमि पर आधुनिक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स विकसित करने के लिए डिजाइन तैयार करने का निर्देश दिया गया। प्रस्ताव में अपर बाजार क्षेत्र में नगर निगम की दुकानों के पूर्व आवंटनधारियों को प्राथमिकता देने की बात भी सामने आई।

छोटे-बड़े सभी दुकानदारों की जरूरतों का रखा जाएगा ध्यान

पुनर्विकास की योजना तैयार करते समय विभिन्न श्रेणी के दुकानदारों की व्यावसायिक जरूरतों को ध्यान में रखा जा रहा है। दुकानों के आकार और उपलब्ध स्थान का निर्धारण इस प्रकार करने का प्रयास है कि छोटे, मध्यम और बड़े सभी व्यापारियों को उनकी जरूरत के अनुसार उपयुक्त स्थान मिल सके।

दुकानों की डिजाइन में ग्राहकों की आवाजाही, कारोबार संचालन, माल के रखरखाव और भविष्य में व्यापार विस्तार जैसी आवश्यकताओं को भी शामिल किया जा रहा है। निगम का प्रयास व्यापारियों की सुविधा और नागरिकों के बेहतर बाजार अनुभव के बीच संतुलन स्थापित करना है।

सिर्फ भवन नहीं, बेहतर बाजार और नागरिक सुविधाओं पर जोर : नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने प्रस्तावित लेआउट और डिजाइन का अवलोकन करते हुए आवश्यक व्यावहारिक बदलाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजारों के पुनर्विकास में पार्किंग, यातायात व्यवस्था, सुगम आवागमन और नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रस्ताव को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित हितधारकों के साथ आवश्यक विमर्श किया जाएगा तथा परियोजनाओं के तकनीकी, वित्तीय और व्यावहारिक पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। बाजारों का विकास वर्तमान जरूरतों के साथ भविष्य की बढ़ती आबादी, व्यापारिक गतिविधियों और यातायात के दबाव को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

नगर आयुक्त ने कहा कि रांची के बाजारों का पुनर्विकास शहर के व्यवस्थित, टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। बैठक में सहायक नगर निवेशक, रांची नगर निगम के संबंधित पदाधिकारी और एनबीसीसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

23 को झारखंड रेरा का सेमिनार

रांची : झारखंड रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (झारखंड रेरा) द्वारा रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के विभिन्न प्रावधानों एवं व्यावहारिक पहलुओं पर जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन 23 अगस्त को किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक रांची में आयोजित होगा। इस सेमिनार का उद्देश्य रेरा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देना, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं सुशासन को सुदृढ़ करना तथा रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को एक साझा मंच प्रदान करना है। इस अवसर पर बिल्डर, प्रमोटर, डेवलपर, भूमि स्वामी, आवंटी (होमबायर्स), बैंक एवं वित्तीय संस्थान, आर्किटेक्ट, चार्टर्ड अकाउंटेंट, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, अधिवक्ता एवं विधि विशेषज्ञ सहित रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े अन्य हितधारकों की सहभागिता प्रस्तावित है।

जेएन कॉलेज में मनाया गया व्यास पूजा उत्सव

संवाददाता

रांची : भारतीय शिक्षण मंडल एवं जेएन कॉलेज, धुर्वा, रांची के टीआरएल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को ह्लव्यास पूजा उत्सवह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महर्षि वेदव्यास के भारतीय ज्ञान परंपरा में योगदान, गुरु-शिष्य परंपरा तथा भारतीय भाषाओं एवं लोक-संस्कृति के संरक्षण के महत्व पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नागपुरी भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रामजय नाईक ने की। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय शिक्षण मंडल की विश्वविद्यालय गतिविधि प्रमुख एवं मुंडारी भाषा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पार्वती मुंडू उपस्थित रहीं। वहीं डॉ. अंजु कुमारी साहु एवं डॉ. अरुण अमित तिग्गा सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, मां सरस्वती एवं महर्षि वेदव्यास के चित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर किया गया। इसके बाद डॉ. अंजु कुमारी साहु ने ध्येय श्लोक, डॉ. स्मिता कुमारी ने ध्येय वाक्य और डॉ. ऋचा कुमारी ने कल्याण मंत्र का वाचन किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा में वेदव्यास का योगदान महत्वपूर्ण : मुख्य वक्ता डॉ पार्वती मुंडू ने महर्षि वेदव्यास के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। महर्षि वेदव्यास ने वेदों के संकलन एवं विभाजन के साथ महाभारत और पुराणों के माध्यम से भारतीय ज्ञान, दर्शन, संस्कृति एवं जीवन-मूल्यों को समाज तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि व्यास पूजा उत्सव केवल महर्षि वेदव्यास के स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का पर्व है। विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता है। भारतीय भाषाओं और लोक संस्कृति के संरक्षण पर जोर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ रामजय नाईक ने कहा कि भारतीय भाषाओं एवं लोक-संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में गुरु-परंपरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्तमान पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और ज्ञान परंपरा से जोड़ना समय की आवश्यकता है। वहीं डॉ अंजु कुमारी साहु ने व्यास पूजा के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संबंध तथा महर्षि वेदव्यास के बहुआयामी योगदान के प्रति जागरूकता एवं श्रद्धा का भाव विकसित करना है। कार्यक्रम में शिक्षकगण के साथ विद्यार्थियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। मंजीरी तोपनो, हिरांबी होरो, रचना होरो, दुलारी कुमारी, धीरेंद्र कुमार, दिलेन्द्र नायक, आशा कुमारी, आराधना मिंज और सुहासनी कुमारी सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

बारिश से जलजमाव से निपटने के लिए रांची नगर निगम के 1200 सफाई मित्रों ने संभाला मोर्चा

चार जेसीबी, दो सुपर सकर और मोटर पंपों से कई इलाकों में जल निकासी का काम

रांची : शहर में सोमवार रात से लगातार हो रही बारिश के कारण विभिन्न क्षेत्रों में उत्पन्न अल्पकालीन जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए रांची नगर निगम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। नागरिकों को राहत पहुंचाने और आवागमन सुचारू बनाए रखने के लिए निगम की क्विक रिस्पांस टीम, सफाई मित्रों और संसाधनों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। जलजमाव से प्रभावित और संवेदनशील इलाकों में करीब 1200 सफाई मित्रों को तैनात कर नालियों की सफाई और जल निकासी का कार्य कराया गया। बारियातू हाउसिंग कॉलोनी, प्रगति विहार, साकेत नगर, द्वारकापुरी, सेवा सदन, बहूबाजार, दीपाटोली, पंचशील नगर, अलगोड़ा, बड़ा घाघरा और एचबी रोड स्थित काली टावर समेत अन्य क्षेत्रों में टीमों ने मौके पर पहुंचकर जलजमाव की समस्या का समाधान किया। जल निकासी को बेहतर बनाने के लिए चार जेसीबी मशीनों से बड़े नालों की सफाई की गई। जरूरत के अनुसार स्लैब हटाकर पानी के बहाव को सुगम बनाया गया। वहीं, दो सुपर सकर मशीनों के जरिए साकेत नगर और पंचशील नगर में जमा पानी की निकासी की गई। इसके अलावा काली टावर, तुपुदाना, पंडरा, पंचशील नगर सहित अन्य इलाकों में मोटर पंपों की मदद से पानी निकाला गया। क्विक रिस्पांस टीम और सफाई मित्रों ने विभिन्न वार्डों में नालियों की सफाई कर जल प्रवाह को सुचारू बनाया। नगर निगम ने बारिश को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी बढ़ा दी है। जलजमाव की सूचना मिलते ही क्विक रिस्पांस टीम को संबंधित स्थल पर भेजकर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

बिजनेस एक्सचेंज सब-कमेटी की बैठक

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) की बिजनेस एक्सचेंज सब-कमेटी की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में सदस्यों के बीच व्यापारिक संपर्क बढ़ाने, नए व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराने और आपसी व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में बताया गया कि जनवरी से अब तक बिजनेस एक्सचेंज सब-कमेटी की करीब 10 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इनमें एक आउटडोर बैठक भी शामिल है, जिसका आयोजन अरगोड़ा चौक स्थित रोहतगी होम बाजार में किया गया था। भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में सदस्यों और व्यवसायियों ने इसमें हिस्सा लिया था। प्रतिभागियों ने इस पहल को सकारात्मक और उपयोगी अनुभव बताया।

बैठक में भी कई सदस्यों को मौके पर ही व्यापारिक अवसर प्राप्त हुए। इनमें मॉड्यूलर किचन से संबंधित दो कारोबार मिलना विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इससे यह स्पष्ट होता है कि बिजनेस एक्सचेंज की बैठकें केवल परिचय और नेटवर्किंग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सदस्यों को प्रत्यक्ष रूप से कारोबार उपलब्ध कराने में भी प्रभावी भूमिका निभा रही हैं। बैठक के दौरान एक सदस्य ने निर्यात व्यवसाय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद और सही एवं वास्तविक खरीदार उपलब्ध होने पर निर्यात के क्षेत्र में अच्छे मार्जिन के साथ कारोबार किया जा सकता है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, हजारीबाग

सर्वसाधारण के लिये सूचना

दारू थाना काण्ड सं0–58 / 2026, दि0–20.06.2026, धारा–137(2) बी0एन0एस0 के आलोक मे अपहृता– मोनिका कुमारी (उम्र– 15 वर्ष), पिता–विनोद महतो, सा0–हरली, थाना–दारू, जिला–हजारीबाग को बहला फुसलाकर अपहरण कर लिया गया है, जिसमें प्राथमिकी अभियुक्त–मनोज सिदर, पिता–खेदो राम सिदर, सा0–मायापार क्रुद छत्तीसगढ़ के विरूद्ध काण्ड अंकित किया गया है। काफी खोजबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चल सका है। **हुलियाः**–उम्र– 15वर्ष, रंग–सांवली, लम्बाई–4 फीट 8 इंच, पहनावा–सफेद रंग का जिन्स एवं हरा रंग का टॉप पहने हुए तथा काला रंग का जूती पहने हुए एवं काला रंग का स्कूल बैग लिये हुए है।

इस संबंध में यदि किसी प्रकार की सूचना हो तो थाना प्रभारी दारू / अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, विष्णुगढ, हजारीबाग के कार्यालय के निम्नांकित फोन नम्बर पर सम्पर्क कर इसकी सूचना दें।

सम्पर्क सूत्र–
अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, विष्णुगढ, हजारीबाग :– 9430165633
थाना प्रभारी, दारू, हजारीबाग :– 9113130962

पुलिस अधीक्षक,
हजारीबाग

PR 387755 Police(26-27)#D

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–चुनु मुनु, उम्र–10 वर्ष, ऊँचाई–4 फिट, 5 ईंच, रंग–साँवली, पहनावा–गुलाबी रंग का फॉक पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता बच्ची चुनु मुनु, उम्र–10 वर्ष, पे0–स्व0 लालचन्द कहार, ग्राम–तुलीन, थाना–तुलीन, जिला–पुरूलिया (प0 बंगाल) जो दिनांक–04.08.2026 को अपने घर से नास्ता लाने को कहकर निकले जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध मे अनगड़ा थाना काण्ड सं0–80 / 2026 दिनांक–08.08.2026, धारा–137(2) / 140(3) बी0एन0एस0 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता बच्ची कहीं मिलता / दिखता है तो इसके संबंध मे वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय मे या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, राँची। –9431770066
थाना प्रभारी, अनगडा, राँची। –9431706180
आवेदिका गीता देवी। –9608184143

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 387826 Police(26-27).D

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, राँची
Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 39 / 2026–27

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समय :– 27.08.2026 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय :– 29.08.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 29.08.2026 को अपराह्न 3.30 बजे।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, राँची।
7. निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थान:– :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
8. कार्यो की विवरणी :–

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Special Repairing & Improvement of WS and sanitary fittings & Sewerage Work and Misc Works at6 Nos. P.H.E.D. Quarters Bariyatu, Ranchi under D. W. & S. Division, Gonda, Ranchi.	22,31,204.00	45,000.00	5000.00	30 दिन
2	Construction of Shade with Re-Installation Full Repairing Replacement damaged spare parts of 200 KVA Generator VISWA Training Centre & 10 KVA Hostel at VISWA Campus Kanke, Ranchi under D. W. & S. Division, Gonda, Ranchi.	10,15,307.00	20,500.00	2500.00	30 दिन
3	Emergent repair/replacement of damaged CP and Sanitary Fittings & water supply pipe line other Mis. Work at VISWA Kanke Ranchi und er D. W. & S. Division, Gonda, Ranchi.	5,86,605.00	12,000.00	1250.00	5 दिन

नियम एवं शर्तें सूचनापट् पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची

PR 387798 Drinking Water and Sanitation (26-27)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मानव सेवा से जुड़े वालेंटियरों का सम्मान जरूरी

कुदरती आपदाएं हों या मानवीय हिमाकतों से उपजी विभिन्न किस्म की समस्याएं, प्रत्येक संकटों के वक्त ईश्वर हर मानव को मानवता दिखाने का अवसर देता है। भगवान की इस अदृश्य परीक्षा में कुछ पास होते हैं तो कुछ असफल। आज ह्यविश्व मानवतावादी दिवसह्ल है जो प्रत्येक मानव को मानवता दिखाने के लिए प्रेरित और जागरूक करता है। प्रतिवर्ष 19 अगस्त की तारीख को समूचे संसार में एक साथ ये दिवस मनाया जाता है। दिवस उन मानवीय सहायता कर्मियों, शांति सैनिकों, सिविल डिफेंस, सुरक्षाकर्मियों, को समर्पित है, जो विकराल संकटों में निर्बलों और असहायों की मदद के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाकर औरों के जीवन को बचाते हैं। पर, अफसोस अब आए दिन ऐसे सुरक्षाकर्मियों पर भी हमले होने लगे हैं। जबकि, रक्षाकर्मी सदैव सम्मान के पात्र रहे हैं। मानवतावाद, मानवीय प्रणाली के सभी भागीदारों को एकजुट करके संकट से प्रभावित लोगों के अस्तित्व, कल्याण और गरिमा के लिए मानवीय कार्यकताओं की सुरक्षा और संरक्षण की वकालत करता है। पूरे भारत में करीब 11 करोड़ सिविल डिफेंस कर्मी हैं। सिर्फ दिल्ली में एक लाख 34 हजार वॉलंटियर्स हैं। इसके अलावा विभिन्न गैर-सरकारी संस्थाओं से भी लोग जुड़े हैं। वैश्विक धरा पर शांति सैनिकों की संख्या 60 करोड़ के आसपास है। मानवतावादी दिवस की शुरूआत 2008 में संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के बाद हुई थी। प्रस्तावना बगदाद में घटी 19 अगस्त 2003 को एक हृदय विदारक घटना को आधार बनाकर हुई। बगदाद शहर के प्रसिद्ध पांच सितारा होटल ह्यकैनाल ब्लूह्ल में आतंकियों ने सुबह के समय भयानक बम ब्लास्ट किया, जिसमें करीब 22 होटल कर्मी मारे गए और दर्जनों गंभीर रूप से घायल हुए। ब्लास्ट किचन एरिया और सर्वेंट रूमों के अलावा उन जगहों पर किया गया जहां होटल कर्मियों की ही मौजूदगी थी। ब्लास्ट की आवाज सुनकर होटल में रह रहे लोग मदद को भागे। होटल में 208 कमरें थे और सभी में मेहमानों की मौजूदगी थी। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना ना सिर्फ 85 कर्मियों को बचाया, बल्कि मानवीय सिद्धांतों की अलख जगाकर पूरे विश्व में संदेश दिया कि विकट परिस्थियों में मदद के लिए कभी मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। मानवीय गरिमा को बनाए रखने में प्रत्येक मानव को खुद की जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। इसलिए पहला धर्म यही है कि नागरिकों, मानवीय सहायता कर्मियों और शांति सैनिकों का सम्मान करके उनकी रक्षा जनमानस को करनी चाहिए। अभी हाल में लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमले हुए थे, जिसकी भारत सरकार ने भी कड़ी निंदा की और कहा है कि शांति सैनिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने इसको लेकर संयुक्त राष्ट्र को वैश्विक प्रस्ताव पेश करने का आह्वान भी किया है। भारत, शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रयासों में अग्रणी रहा है। इस संदर्भ में भारत ने नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2589 का नेतृत्व भी किया है, जिसका उद्देश्य शांति सैनिकों के विरुद्ध अपराधों के लिए जवाबदेही तय करना है। आज का दिन जनमानस को मानवतावादी कार्यकताओं को सम्मान देने और वैश्विक संकट से जूझते लोगों की मदद के लिए खड़े होने का आहवान करता है। सुरक्षाकर्मियों पर होने वाले हमले बेहद निंदनीय और किसी भी देश की कानून-व्यवस्था पर घोर आघात जैसा है। शांति बनाए रखने वाले जवानों पर हिंसा समाज और लोकतंत्र पर कालिख समान है। मानवीय सहायता कर्मियों पर हमलों के परिणाम प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित व्यक्तियों से कहीं अधिक व्यापक होते हैं। ये हमले खाद् आपूर्ति, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और अन्य जीवन रक्षक सेवाओं को बाधित करते हैं, जिससे समुदायों के पास जीवित रहने और उबरने के साधन और भी कम हो जाते हैं। इसलिए सभी को आज के दिन संकल्पित होना चाहिए कि मदद के वक्त खड़ा होना चाहिए और सुरक्षाकर्मियों को सम्मान प्रदान करना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी का लालकिले से 'विकसित भारत' का संकल्प

ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर केवल पत्थरों की एक संरचना नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के उतार-चढ़ाव, उसकी आकांक्षाओं, उसकी नियति और उसके सामूहिक संकल्पों की मूक गवाह रही है। हर वर्ष 15 अगस्त को इस प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री जब राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो वह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं होता, बल्कि वह आने वाले समय के लिए देश का नीतिगत और वैचारिक रोडमैप होता है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी ऐतिहासिक प्राचीर से वर्ष 2047 तक भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाने का जो अटूट संकल्प दोहराया है, वह देश की समकालीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक युगांतकारी मोड़ है। 'विकसित भारत' का यह विजन महज एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक चेतना को जगाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक महायज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित करने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय दर्शन है। जब हम इस विराट संकल्प की बात करते हैं, तो हमें इसके ऐतिहासिक संदर्भ और प्रासंगिकता को गहराई से समझना होगा। भारत ने लगभग दो सदियों तक औपनिवेशिक दासता और आर्थिक शोषण का दंश झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी अर्थव्यवस्था जर्जर थी, साक्षरता दर दयनीय थी और अकाल तथा गरीबी जैसी बुनियादी चुनौतियां हमारे सामने थीं। शुरूआती दशकों में भारत का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भरता और बुनियादी अस्तित्व की रक्षा पर था। हमने खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए हरित क्रांति की, अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य तंत्र को मजबूत किया और धीरे-धीरे एक ठोस औद्योगिक आधार तैयार किया। आज, स्वतंत्रता के इस दौर में, भारत उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है और अब हम केवल एक अस्तित्व बनाए रखने वाले देश नहीं हैं, बल्कि हम वैश्विक पटल पर एक नई दिशा तय करने वाले राष्ट्र बन चुके हैं। यह संकल्प इस बात का प्रतीक है कि अब भारत अपनी विकासशील छवि के खोल को तोड़कर वैश्विक शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2047 का वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा, और कोई भी राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया के सामने अपनी सफलता का क्या प्रमाण प्रस्तुत करता है, यही उसका वास्तविक ऐतिहासिक मूल्यांकन होता है। इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारी जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब इस युवा ऊर्जा को सही दिशा, उत्कृष्ट शिक्षा और वैश्विक स्तर का कौशल मिले। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। इसके साथ ही, विकसित भारत का दूसरा अनिवार्य पहलू महिलाओं का सशक्तिकरण और उनके नेतृत्व में होने वाला विकास है। जब तक देश की आधी आबादी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से पूरी तरह सक्रिय नहीं होगी, तब तक विकास की रफ्तार अधूरी रहेगी।

रत्ना के 'तुलसी', प्रभु राम के 'दास

तुलसीदास अपनी पत्नी रत्नावली पर अत्यंत मुग्ध थे और उससे बहुत प्रेम करते थे। कहते हैं एक बार रत्नावली अपने मायके गई थी। तुलसीदास को उसकी याद सता रही थी। रात का समय था। मूसलाधार बारिश हो रही थी। ऐसे मौसम में तुलसीदास उफनती यमुना को पार कर पत्नी से मिलने ससुराल जा पहुंचे। रत्नावली इससे बहुत लज्जित हुई और ताना मारा कि जितना प्रेम हाड़-मांस के मेरे इस शरीर से कर रहे हो, यदि उतना ही प्रेम प्रभु श्रीराम से किया होता तो भवसागर पार हो गए होते।

योगेश कुमार गोयल

रामचरित मानस के जरिये समूची मानव जाति को श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हुए श्रीराम को जन-जन के राम बना देने वाले गोस्वामी तुलसीदास को जन-जन के कवि कहा जाता है। तुलसीदास को आखिर गोस्वामी क्यों कहा जाता है, यह जानना दिलचस्प है। दरअसल गोस्वामी का अर्थ है, इंद्रियों का स्वामी अर्थात जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो यानी जितेन्द्रिय। तुलसीदास पत्नी के धिक्कारने पर सांसारिक मोह माया से विरक्त होकर संन्यासी अर्थात जितेन्द्रिय या गोस्वामी हो गए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास जी को गोस्वामी की उपाधि से विभूषित किया जाने लगा। रामायण यानी श्री रामचरित मानस के रचयिता और मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त तुलसीदास जी की जयंती विक्रमी संवत के अनुसार हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को मनाई जाती है। इस वर्ष उनकी जयंती 19 अगस्त को है। विक्रमी संवत 1554 में उत्तर प्रदेश के बांदा जिला (अब चित्रकूट जिला) के राजापुर में जन्मे तुलसीदास ने जीवन की मुसीबतों से हार मानने के बजाय तमाम कठिनाइयों का डटकर मुकाबला किया। राजापुर यमुना नदी किनारे स्थित है। तुलसीदास का विवाह दीनबंधु पाठक की विदुषी पुत्री रत्नावली से हुआ था।

तुलसीदास अपनी पत्नी रत्नावली पर अत्यंत मुग्ध थे और उससे बहुत प्रेम करते थे। कहते हैं एक बार रत्नावली अपने मायके गई थी। तुलसीदास को उसकी याद सता रही थी। रात का समय था। मूसलाधार

बारिश हो रही थी। ऐसे मौसम में तुलसीदास उफनती यमुना को पार कर पत्नी से मिलने ससुराल जा पहुंचे। रत्नावली इससे बहुत लज्जित हुई और ताना मारा कि जितना प्रेम हाड़-मांस के मेरे इस शरीर से कर रहे हो, यदि उतना ही प्रेम प्रभु श्रीराम से किया होता तो भवसागर पार हो गए होते। इस एक ताने ने तुलसीदास के जीवन की दिशा बदल दी। उसके बाद उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया और वे भगवान राम की भक्ति में रम गए।

इस दौरान एक दिन स्वामी नरहरिदास राजापुर पहुंचे। उन्होंने तुलसीदास को दीक्षा देते हुए आगे के जीवन की राह दिखाई। उसके बाद तुलसीदास ने रामकथा में ही सुखद समाज की कल्पना करते हुए इसे आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने का माध्यम बना लिया। गुरु नरहरिदास से शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद उन्हें रामचरित मानस लिखने की प्रेरणा मिली। गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस को देश-दुनिया में आदर और सम्मान से साथ देखा जाता है। तुलसीदास ने वैसे अपने जीवनकाल में कवितावली, दोहावली, हनुमान बाहुक, पार्वती मंगल, रामलला नहछू, विनयपत्रिका, कवित्त रामायण, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी इत्यादि कुल 12 पुस्तकों की रचना की किन्तु उन्हें सर्वाधिक ख्याति रामचरित मानस के जरिये ही मिली।

उन्होंने जब रामचरित मानस की रचना की, तब संस्कृत भाषा का प्रभाव बहुत ज्यादा था, इसलिए आंचलिक भाषा में होने के कारण शुरूआत में इसे मान्यता नहीं मिली लेकिन सरल भाषा में होने के कारण कुछ ही समय बाद यह ग्रंथ जन-जन में बहुत लोकप्रिय हुआ। गोस्वामी तुलसीदास भारतीय भक्ति साहित्य के ऐसे अमर कवि हैं, जिनकी वाणी ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा और लोकमंगल की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय कार्य किया। अनेक विद्वान तुलसीदास को महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी मानते हैं।

महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में रामायण की रचना कर श्रीराम के जीवन, चरित्र और आदर्शों को साहित्य के अमर पटल पर अंकित किया । इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोस्वामी तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी में मानस रचा। रामकथा को महलों तथा विद्वानों के सीमित संसार से निकालकर गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाया। उस समय तक संस्कृत मुख्यतः विद्वानों और धर्मशास्त्र के गंभीर अध्येताओं की भाषा थी जबकि अवधी उत्तर भारत के विशाल जनसमुदाय के दैनिक जीवन से जुड़ी सहज और आत्मीय भाषा थी। तुलसीदास ने इसी लोक भाषा में अपनी अभिव्यक्ति को आकार दिया। रामचरित मानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना और लोक आस्था का अभिन्न अंग है। यही विशिष्ट भाव उन्हें भारतीय साहित्य परंपरा में अद्वितीय और कालजयी बनाता है।

रामचरित मानस के जरिये मनुष्य के संस्कार की कथा लिखकर तुलसीदास ने इस महाकाव्य को भारतीय संस्कृति का प्राण तत्व बना दिया। तुलसी के राम सब में रमते हैं और वे नैतिकता, मानवता, कर्म, त्याग द्वारा लोक मंगल की स्थापना करने का प्रयास करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने सत्य और परोपकार को सबसे बड़ा धर्म और त्याग को जीवन का मंत्र मानते हुए अपनी रचनाओं के माध्यम से असत्य, पाखंड, ढोंग और अंधविश्वास में डूबे समाज को भी जगाने का प्रयास किया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वंदे मातरम साझा विरासत है, इसके भाव को समझना जरूरी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में ह्यवंदे मातरम्ह्ल के पूर्ण संस्करण के गायन को लेकर जिस प्रकार का राजनीतिक विवाद सामने आया है, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि राष्ट्रभक्ति के प्रतीकों को राजनीति से कितना अलग रखा जा सकता है

डॉ.अरविंद नाथ तिवारी

भारतीय स्वतंत्रता दिवस केवल तिरंगा फहराने और राष्ट्रगान गाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह उन संघर्ष, बलिदान और राष्ट्रीय प्रतीकों को स्मरण करने का दिन भी है, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता की चेतना को मजबूत किया। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में ह्यवंदे मातरम्ह्ल के पूर्ण संस्करण के गायन को लेकर जिस प्रकार का राजनीतिक विवाद सामने आया है, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि राष्ट्रभक्ति के प्रतीकों को राजनीति से कितना अलग रखा जा सकता है।15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में ह्यवंदे मातरम्ह्ल के पूर्ण गायन के दौरान सोनिया गांधी की कुछ गतिविधियों को भाजपा नेताओं ने गीत को रोकने अथवा उसके पूर्ण गायन पर आपत्ति के रूप में प्रस्तुत किया। कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रयास नहीं था और संबंधित हाव-भाव का अर्थ अलग था। इसलिए उपलब्ध वीडियो और बयानों के आधार पर यह कहना जल्दबाजी होगी कि किसी नेता ने जानबूझकर राष्ट्रगीत का अपमान किया,लेकिन विवाद का दूसरा पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है—क्या ह्यवंदे मातरम्ह्ल का पूरा गायन होना चाहिए? इसका उत्तर भावनात्मक राजनीति से नहीं, बल्कि इतिहास और संवैधानिक परंपरा के आधार पर तलाशना चाहिए। ह्यवंदे मातरम्ह्ल बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना है और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इस गीत ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत में 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट किया था कि ह्यजन गण मनह्ल राष्ट्रगान रहेगा और ह्यवंदे मातरम्ह्ल कोडॉ.अरविंद नाथ तिवारी

यहां एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य समझना जरूरी है। ह्यवंदे मातरम्ह्ल की पूरी रचना और सार्वजनिक समारोहों में प्रचलित इसके पहले दो पदों में अंतर है। ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों से कांग्रेस ने 1937 में सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए इसके पहले दो पदों को स्वीकार किया था। इसलिए आज यदि कोई राजनीतिक दल पहले दो पदों का गायन करता है, तो उसे सीधे राष्ट्रगीत के अपमान के रूप में देखना इतिहास की जटिलता को नजरअंदाज करना होगा। दूसरी ओर, वर्तमान केंद्र सरकार ने 2026 में ह्यवंदे मातरम्ह्ल की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसके छह पदों वाले पूर्ण संस्करण को व्यापक रूप से प्रस्तुत करने की पहल की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, 26 मार्च 2026 से आकाशवाणी के प्रसारण में छह पदों वाला संस्करण शामिल किया गया, जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट 10 सेकंड है। सरकार ने इस वर्ष देशभर में पूर्ण संस्करण के सामूहिक गायन और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहित किया है। इसलिए पूर्ण ह्यवंदे मातरम्ह्ल का गायन अपने आप में न तो गलत है और न ही असंवैधानिक। बल्कि उचित सम्मान और गरिमा के साथ इसका गायन राष्ट्रीय चेतना को मजबूत कर सकता है। समस्या तब पैदा होती है ,जब किसी राष्ट्रीय प्रतीक को किसी एक राजनीतिक दल की विचारधारा या दूसरे दल के विरुद्ध राजनीतिक हथियार बना दिया जाता है।

इस विवाद में सत्ता पक्ष का तर्क है कि ह्यवंदे मातरम्ह्ल स्वतंत्रता संग्राम का अमूल्य प्रतीक है, इसलिए इसके पूर्ण गायन में बाधा डालना राष्ट्रभावना का अपमान है। यह तर्क भावनात्मक रूप से प्रभावशाली है। दूसरी ओर, विपक्ष यह कह सकता है कि किसी व्यक्ति के हाव-भाव या कुछ सेकंड के वीडियो के आधार पर उसकी देशभक्ति पर सवाल उठाना उचित नहीं है। कांग्रेस ने भी यही स्पष्टीकरण दिया है कि गीत को रोकने का प्रयास नहीं किया गया था। मेरी दृष्टि में दोनों पक्षों के बीच वास्तविक बहस यहीं से शुरू होनी चाहिए। राष्ट्रभक्ति को किसी पार्टी की संपत्ति नहीं बनाया जा सकता। ह्यवंदे मातरम्ह्ल केवल भाजपा का नहीं है, कांग्रेस का भी नहीं है और किसी अन्य दल का भी नहीं है। यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की साझा विरासत है। जिस प्रकार तिरंगा किसी दल का झंडा नहीं है, उसी प्रकार राष्ट्रगीत भी किसी राजनीतिक संगठन की पहचान नहीं हो सकता। पूर्ण गायन के लाभ स्पष्ट हैं,इससे युवा पीढ़ी को ह्यवंदे मातरम्ह्ल के मूल साहित्यिक और ऐतिहासिक स्वरूप से परिचित होने का अवसर मिलेगा। स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों से नई पीढ़ी का संबंध मजबूत होगा। सामूहिक गायन से राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम और सांस्कृतिक चेतना को बल मिल सकता है। सरकार द्वारा 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों का घोषित उद्देश्य भी राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को मजबूत करना है,लेकिन इसके कुछ संभावित नुकसान भी हैं।

यदि पूर्ण ह्यवंदे मातरम्ह्ल को किसी व्यक्ति की देशभक्ति जांचने का पैमाना बना दिया गया, तो इससे सामाजिक और धार्मिक विभाजन बढ़ सकता है। भारत जैसे बहुधार्मिक देश में राष्ट्रीय एकता तभी मजबूत होगी जब देशभक्ति स्वैच्छिक सम्मान, संवैधानिक मूल्यों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित हो। राष्ट्रगीत का सम्मान आवश्यक है, लेकिन उसके नाम पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए नुकसानदेह होंगे ,इसलिए वर्तमान विवाद का सबसे उचित निष्कर्ष यही है कि ह्यवंदे मातरम्ह्ल का पूर्ण गायन किया जा सकता है और उसे सम्मान मिलना चाहिए, लेकिन इसे राजनीतिक निष्ठा की परीक्षा नहीं बनाया जाना चाहिए। सत्ता पक्ष को भी यह समझना होगा कि राष्ट्रवाद केवल विपक्ष को कठघरे में खड़ा करने का माध्यम नहीं है, और विपक्ष को भी यह स्वीकार करना होगा कि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति संवेदनशीलता लोकतांत्रिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। देश को आज ऐसी राजनीति की जरूरत है जिसमें ह्यवंदे मातरम्ह्ल पर विवाद खड़ा करने के बजाय उसके पीछे छिपे भाव—मातृभूमि के प्रति सम्मान, स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान, राष्ट्रीय एकता और भारत की गरिमा—को समझा जाय, यदि पूरा गीत देश को जोड़ता है तो उसका स्वागत होना चाहिए, यदि उसके किसी हिस्से को लेकर ऐतिहासिक या धार्मिक संवेदनशीलता है, तो उसका समाधान संवाद से होना चाहिए।

अंततः ह्यवंदे मातरम्ह्ल का सबसे बड़ा सम्मान यही होगा कि उसके नाम पर भारतीय समाज को बांटा न जाए। राष्ट्रगीत को राजनीति का हथियार बनाने के बजाय राष्ट्र की साझा विरासत के रूप में स्वीकार किया जाए। सत्ता और विपक्ष दोनों यदि इस भावना को समझ लें, तो वर्तमान विवाद देश को बांटने के बजाय राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का अवसर बन सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बुधवार और गणपति पूजा का खास कनेक्शन संकटनाशन स्तोत्र से दूर होगी हर समस्या

हिंदू धर्म में बुधवार का दिन भगवान गणेश को समर्पित होता है। गणेश भगवान को बुद्धि और ज्ञान का देवता माना जाता है। वहीं बुधवार को भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने से बप्पा की कृपा प्राप्त होती है। वहीं गणपति बप्पा की कृपा के लिए बुधवार का व्रत भी किया जाता है। बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा करने से सुख-सौभाग्य और आय में वृद्धि होती है। वहीं इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

ऐसे में अगर आप भी आर्थिक विषमता से मुक्ति पाना चाहते हैं। तो बुधवार के दिन भक्ति भाव से भगवान गणेश की पूजा करनी चाहिए। वहीं पूजा के समय इस खास स्त्रोत का पाठ करना चाहिए।

संकटनाशन गणेश स्तोत्र

प्रणम्यं शिरसा देव गौरीपुत्रं विनायकम ।
भक्तावासं: स्मरैनित्यंमायु: कामार्थसिद्धये ॥
प्रथमं वक्रतुंडंच एकदंतं द्वितीयकम ।
तृतीयं कृष्णं पिड्.क्षं गजवक्त्रं चतुर्थकम॥
लम्बोदरं पंचमं च षष्ठं विकटमेव च ।
सप्तमं विघ्नराजेन्द्रं धूम्रवर्ण तथाष्टकम ॥
नवमं भालचन्द्रं च दशमं तु विनायकम ।
एकादशं गणपतिं द्वादशं तु गजाननम ॥
द्वादशैतानि नामानि त्रिसंध्य यः पठेन्नरः।
न च विघ्नभयं तस्य सर्वासिद्धिकरं प्रभो ॥
विद्यार्थी लभते विद्यां धनार्थी लभते धनम ।
पुत्रार्थी लभते पुत्रान् मोक्षार्थी लभते गतिम ॥
जपेद्वगणपतिस्तोत्रं षड्भिमासैः फलं लभेत ।
संवत्सरेण सिद्धिं च लभते नात्र संशयः॥
अष्टभ्यो ब्राह्मणेभ्यश्च लिखित्वां यः समर्पयेत ।
तस्य विद्या भवेत्सर्वा गणेशस्य प्रसादतः॥

ऋणहर्ता गणेश स्तोत्र

ॐ सिन्दूर-वर्णं द्वि-भुजं गणेशं लम्बोदरं पद्म-दले निविष्टम् ।
ब्रह्मादि-देवैः परि-सेव्यमानं सिद्धैर्युतं तं प्रणामि देवम् ॥
सृष्ट्यादौ ब्रह्मणा सम्यक् पूजितः फल-सिद्धए ।
सदैव पार्वती-पुत्रः ऋण-नाशं करोतु मे ॥

टिप्स

शरीर में कफ और वात संतुलित करता है सोंठ का पानी,

बरसात का मौसम हर किसी को काफी पंसद होता है, क्योंकि चारों तरफ हरियाली और सुकून वाला मौसम होता है। हालांकि, इस दौरान सेहत का खासा ध्यान रखना ज्यादा जरुरी होता है। इस मौसम में सर्दी-खांसी, जुकाम और पाचन संबंधित समस्याएं ज्यादा परेशान करती हैं।

इनसे बचने के लिए आपको अपनी डाइट में काफी बदलाव करने की जरुरत है। वहीं, आपको ठंडी तासीर वाली चीजों से दूर रहना जरुरी है। कुछ खास हर्ब्स और देसी नुस्खों की मदद से इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं। ऐसे में आप सूखी अदरक यानी सोंठ का पानी पी सकते हैं। यह सेहत के लिए काफी फायदेममंद है। यह आपके पाचन में भी काफी सुधार लेकर आता है। जब आपकी इम्यूनिटी बूस्ट हो जाती है, तो सर्दी-खांसी छूमंतर हो जाती है। आइए आपको इसके फायदे और डाइट में कैसे शामिल करें बताते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक सूखी अदरक का इंफ्यूज्ड पानी जरुर पिएं।

- सूखी अदरक को आधा टीस्पून पाउडर या 1-2 टुकड़े सूखी अदरक को 1 लीटर में पानी में डाल दें।
- अब इसे करीब 10 मिनट तक उबालें और फिर अच्छे से छान लें।
- इसको आप दिन पर पीती रहें। इसको खाने के साथ भी ले सकती हैं।

जिन लोगों को इम्यूनिटी कमजोर होती है, उन्हें इसका सेवन जरुर करना चाहिए-

सोंठ का पानी पीने से पाचन दुरुस्त रहता है, डाइजेस्टिव फायर (पाचन अग्नि) तीव्र होती है और भूख खुलकर लगती है। मानसून के समय पाचन अग्नि धीमी हो जाती है और ऐसे में डाइजेशन से संबंधित परेशनियां होती है। इसलिए इस पानी को पीना काफी फायदेमंद रहने वाला है।

अगर आप इस पानी को नियमित रुप से पीते हैं, तो गैस और ब्लोटिंग की समस्या दूर हो जाएगी। मानसून के समय आपको काफी आराम मिलेगा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण

रोजगार गारंटी से आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ता कदम

संवाददाता

साहिबगंजःविकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के तहत प्रखंड सभागार कक्ष, मंडरो में एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री मेघनाथ उरांव, बीपीओ श्री अभिषेक आनंद एवं पंचायत प्रतिनिधियों श्री सुबोध सोरेन, श्रीमती अनिता हेम्ब्रम एवं श्रीमती ललित देवी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।कार्यशाला के दौरान बीपीओ श्री अभिषेक आनंद ने मनरेगा से विकसित भारत गारंटी

फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण तक की विकास यात्रा उद्देश्य व प्रमुख प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने 125 दिनों की रोजगार गारंटी चार प्राथमिक कार्य क्षेत्रों केंद्र व राज्यांश के 60:40 अनुपात तथा कुल 318 प्रकार की योजनाओं के संबंध में उपस्थित मुखियागण पंचायत कर्मियों स्वयंसेवकों व ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी प्रदान की।वहीं कनीय अभियंता मो। नेहाल ने झारखंड में प्राथमिकता के आधार पर चयनित 57 प्रकार के कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों के चयन तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुपालन पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में युक्तधारा पोर्टल पर योजनाओं का इंद्राज, पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण पेसा एक्ट के तहत ग्रामसभा की भूमिका तथा ग्राम स्तर पर प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं के चयन पर विशेष जोर दिया गया। बीपीओ श्री अभिषेक आनंद ने योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने एनएमएमएस के तहत कार्यस्थल पर निर्धारित समय पर दो वक्त की तस्वीर अपलोड करने तथा मजदूरों को ससमय मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का चयन ग्रामसभा की प्राथमिकताओं और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप हो, ताकि ग्रामीणों को अधिकतम लाभ मिल सके और रोजगार के साथ-साथ गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी सुनिश्चित हो।कार्यशाला में विभिन्न पंचायतों से आए मुखिया, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, कनीय अभियंता, पंचायत कर्मी, स्वयंसेवक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

ऊमर वैश्य महिला मंडल ने मनाया सावन महोत्सव

संवाददाता

साहिबगंजःअखिल भारतीय ऊमर वैश्य महासभा महिला मंडल की ओर से मंगलवार को साहिबगंज उत्सव वेंकट हॉल में सावन महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया।इस दौरान गीत, नृत्य, खेल एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से महिलाओं ने सावन के उल्लास को जीवंत किया।कार्यक्रम का उद्घाटन साहिबगंज सदर अस्पताल की चिकित्सा पदाधिकारी डॉ।स्नेहलता एवं ऊमर वैश्य महिला मंडल की अध्यक्ष कंचन देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद आद्या कुमारी ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरूआत की। ह्यस्वरांजलिह्न की प्रबंधक

शालिनी गुप्ता ने शिव महिमा पर आधारित शास्त्रीय गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।सविता गुप्ता ने द्रौपदी संवाद की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में विविधता का रंग भरा। वहीं परी प्रिया ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सावन से जुड़े गीतों के साथ विभिन्न मनोरंजक खेल एवं प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।महिला मंडल की सदस्यों ने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ एक-दूसरे से जुड़ने और पारंपरिक संस्कृति को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं।सावन महोत्सव के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिला।कार्यक्रम में गुड़िया,गायत्री,सीमा,अनीता, खुशबू,पूनम,प्रज्ञा,ज्योति,चित्रलेखा गुप्ता,रोजी,रीना,मनीषा,रूपा,विभा रानी,निशु,लक्ष्मी समेत सैकड़ों महिलाएं उपस्थित थीं।

योजना से संबंधित कार्यक्रम 20 अगस्त से पंचायत स्तर पर आयोजित किए जाएंगे : बासुकीनाथ

संवाददाता

साहिबगंजःविकसित भारत जी-रामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मंगलवार को साहिबगंज सदर प्रखंड कार्यालय के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उदघाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू एवं बीपीओ शंकर साह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम मे योजना के नए प्रावधानों,तकनीकी प्रक्रियाओं एवं इसके सफल क्रियान्वयन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई।प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने प्रशिक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी आवश्यक तकनीकी जानकारी दी।उन्होंने योजना के प्रावधानों का सही तरीके से

पालन करते हुए पंचायत स्तर पर प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।वही

बीपओ शंकर साह ने बताया कि योजना का क्रियान्वयन 1 जुलाई 2026 से शुरू हो चुका है।योजना में किए गए नए प्रावधान के तहत ग्रामीण श्रमिकों को पहले निर्धारित 100 दिनों के स्थान पर अब 125 दिनों के रोजगार का प्रावधान किया गया है।उन्होंने कहा कि योजना के तहत वित्तीय हिस्सेदारी 60:40 के अनुपात में होगी,जिसमें केंद्र सरकार 60 प्रतिशत और राज्य सरकार 40 प्रतिशत राशि वहन करेगी।बताया गया कि योजना से संबंधित कार्यक्रम 20 अगस्त से पंचायत स्तर पर आयोजित किए जाएंगे।प्रशिक्षण में सभी मुखिया,पंचायत सचिव, सहायक अभियंता,कनीय अभियंता बीपीओ जेएसएलपीएस के प्रतिनिधि एवं ग्राम रोजगार सेवक सहित संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

बोकारो के गोमिया में जमीन से निकल रही आग की लपटें, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता

ब्बोकारोः जिले के गोमिया प्रखंड स्थित बांध पंचायत के पलानी गांव में पिछले कई दिनों से जमीन को चीरकर आग की लपटें निकल रही हैं। जमीन के नीचे से निकल रही आग को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब एक महीने पहले जमीन के नीचे से बुलबुले निकलते दिखाई दिए थे, जिसके बाद धीरे-धीरे आग निकलनी शुरू हो गई और अब इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। गोमिया के पूर्व विधायक लंबोदर महतो ने इस मामले को लेकर जिला प्रशासन, सीसीएल प्रबंधन और ओएनजीसी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा

कि यह घोर लापरवाही है। वहीं बोकारो डीसी ने खनन विभाग को छाई गिरा कर आग बुझाने का निर्देश दिया है।

ग्रामीणों ने साझा की परेशानी

ग्रामीणों का कहना है कि जमीन के नीचे कोयले की गैस के कारण आग लगी है, जिसके चलते इलाके में खेती प्रभावित हो रही है। लोग आग वाले क्षेत्र में जाने से भी डर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। साथ ही उनका कहना है कि जिस क्षेत्र में आग लगी है, अगर वह सरकारी जमीन है तो उसका अधिग्रहण कर प्रभावित ग्रामीणों को उचित लाभ और आर्थिक नुकसान की भरपाई की जाए।

पूर्व विधायक ने दी आंदोलन की चेतावनी

वहीं गोमिया के पूर्व विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि यह जिला प्रशासन, सीसीएल प्रबंधन और ओएनजीसी की घोर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि कई दिन बीत जाने के बावजूद आग पर काबू नहीं पाया जा सका है और ग्रामीण भय के माहौल में जी रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। वहीं इस संबंध में बोकारो डीसी ने कहा कि यह मामला ओएनजीसी का है, बावजूद हमने जिला खनन पदाधिकारी को आग वाले क्षेत्र में डस्ट भराई का निर्देश दिया था।

शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने के साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहयोग करना है : ममता

संवाददाता

साहिबगंज/बोरियोःपीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बोरियो में विद्यालय प्रबंधन समिति एसएमसी का गठन आमसभा के माध्यम से किया गया।समिति के अध्यक्ष पद पर प्रीति देवी एवं उपाध्यक्ष पद पर ममता देवी का चयन किया गया।बीस सदस्यीय विद्यालय प्रबंधन समिति में वार्डन अनिता कुमारी दो शिक्षक,स्थानीय मुखिया रोजी माल्टो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कमली माल्टो सहित माता-पिता एवं अभिभावक सदस्यों का चयन किया गया।समिति गठन की प्रक्रिया पर्यवेक्षक माखन लाल यादव बीआरपी व राजेश कुमार भगत,बीआरपी बोरियो की उपस्थिति में पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई।प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद गठित समिति का प्रतिवेदन बीआरसी बोरियो को उपलब्ध करा दिया गया।इस अवसर पर नवचयनित अध्यक्ष प्रीति देवी ने कहा कि विद्यालय के बेहतर प्रबंधन सभी सदस्यों के साथ समन्वय स्थापित करने और छात्राओं के हित में पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।समिति का उद्देश्य विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने के साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहयोग करना है।

शिक्षकों युवाओं महिलाओं ने खुद को अपने परिवार समाज राष्ट्र को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिज्ञा ली

संवाददाता

साहिबगंजःप्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय साहिबगंज शाखा की संचालिका बिंदु दीदी,उप संचालिका नीतू दीदी के नेतृत्व में ब्रह्मा कुमारीज संस्था और भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से चलाए जा रहे 10 करोड़ नशा मुक्त भारत अभियान को शहर के सभी स्कूल,कॉलेज और समाज के लिए समर्पित जो संस्था है वहां भी बहुत ही सुचारू रूप से और सफलतापूर्वक किया गया जिसमें हजारों छात्रों, शिक्षकों,युवाओं,महिलाओं ने खुद

को,अपने परिवार, समाज,राष्ट्र को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिज्ञा ली। केंद्र संचालिका बिंदु दीदी ने कहा कि स्कूल और कॉलेज के सभी प्रधानाध्यापक और सभी शिक्षकों का पूर्ण सहयोग रहा इस अभियान को सफल बनाने में।ये कार्यक्रम सभी स्कूल और कॉलेज में इसलिए कराया गया ताकि पढ़ने वाले बच्चों को जो देश का भविष्य है उनके सामने सबसे बड़ा नशा है मोबाइल सोशल मीडिया और बच्चे फोन का सीमित उपयोग कर सके इसलिए उन्हें मेडिटेशन की विधि सिखाई गई।शहर के सेंट जेवियर स्कूल,प्रोविडेंस स्कूल,ट्रिनिटी एंजेल्स स्कूल,सेंट जोसेफ स्कूल पॉलिटेक्निक कॉलेज राजस्थान इंटर विद्यालय,गर्ल्स हाई स्कूल,नगर पालिका हाई स्कूल,उच्च विद्यालय लाल बथानी महादेव गंज,उच्च विद्यालय श्री राम चौकी महादेवगंज पब्लिक हाई स्कूल,ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल,पुरानी साहिबगंज हाई स्कूल,प्लस टू कोदर्जन्ना हाई स्कूल,बांझी हाई स्कूल,उर्दू कन्या मध्य विद्यालय कमला देवी मध्य विद्यालय,बांग्ला बालक मध्य विद्यालयऔर मारवाड़ी महिला समिति में यह कार्यक्रम कराया गया।

एनटीपीसी बादम कोल खनन परियोजना के अधिकारियों से जतायी नाराजगी

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत बादम में एनटीपीसी एनएमएल बादम कोल खनन परियोजना के अधिकारियों को विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने एनटीपीसी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि एनटीपीसी बिना रैयतों और ग्रामीणों की सहमति के बिना हर काम कर रही है। एनटीपीसी को वार्ता करना है तो ग्रामीणों के बीच में आए ना कि अपने कार्यालय में दलालों के माध्यम से कुछ ग्रामीणों को ले जाकर वार्ता करें। इस दौरान सीआइएसएफ के अधिकारियों से ग्रामीणों ने कहा कि हमारी लड़ाई कंपनी के साथ है। हमारे संवैधानिक अधिकारों को छीनने में कंपनी का आप लोग सहयोग न करें।कंपनी के द्वारा अभी तक न जमीन अधिग्रहण किया गया है न ही कोई ग्राम सभा से पास हुआ है। वही कंपनी के गाड़ी में कटकमदाग प्रखंड के बेस निवासी साहब राणा को देख कर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने कहा कि बाहरी को कंपनी एजेंट बना कर लाई है।

न्यूज IN ब्रीफ

संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता के निरंतर संपर्क पर निर्भर करती है :प्रदेश प्रभारी

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय के सभागार में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की समीक्षा बैठक आहुत की गई । बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष जयप्रकाश भाई पटेल नें की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड के प्रभारी के। राजू ने कहा कि कांग्रेस संगठन की मजबूती कार्यकताओं की सक्रियता और जनता के निरंतर सम्पर्क पर निर्भर करती है । उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकताओं से आपसी समन्वय व सामंजस्य के साथ काम कर संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत किया जा सकता है । बैठक में विशिष्ट अतिथि प्रदेश सह प्रभारी भूपेन्द्र मरावी ने कहा कि संगठन के विस्तार के लिए प्रखंड, नगर, मंडल, वार्ड व पंचायत स्तर तक पार्टी के गतिविधियों को प्रभाव बनाना जरूरी है ।
विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मतदाता से सम्पर्क व निरीक्षण के दौरान कार्यक्रमों प्राप्त अनुभवों के और सुझावों को संगठनात्मक कार्य योजनाओं मे शामिल किया जाएगा । खिजरी विधायक सह लोकसभा के प्रभारी राजेश कच्छप नें कहा कि मंहगाई, बेरोजगार, स्वास्थ्य जन सुविधाओं, स्थानीय विकास सहित आम जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और उन्हें प्रभावी तरीके से सरकार एवं प्रशासन के समक्ष रखने पर जोर दिया । प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच लेकर जाने से भी कांग्रेस के संगठन को मजबूत और शसक्त बनाया जा सकता है । कार्यक्रम का संचालन रामगढ़ विधायक ममता देवी जबकी धन्यवाद ज्ञापन लोकसभा के सह प्रभारी अजय सिंह ने किया ।समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय सचिव अम्बा प्रसाद पूर्व मंत्री योगेन्द्र साव , पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला, हजारीबाग विधानसभा प्रभारी मुन्ना पासवान, बरही विधानसभा प्रभारी मनिषा टोप्पो , मांडू विधानसभा प्रभारी रेणू कुशवाहा, बड़कागांव विधानसभा प्रभारी नवीन कुमार ,बरकट्ठा विधानसभा प्रभारी चन्द्र भुषन साहू , रामगढ़ विधानसभा प्रभारी राजीव रंजन राजू ,रामगढ़ कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार , प्रदेश महासचिव सुरजीत नागवाला, ट्रेनर कॉडीनेटर परवेज अहमद ,कांग्रेस जिला के वरीय उपाध्यक्ष शारदा रंजन दूबे ,मीडिया अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष निसार खान, ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गोप , जिला प्रवक्ता मनोज नारायण भगत ,रघु जायसवाल , संजय तिवारी , दिलीप कुमार रवि सहित काफी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित थे।

कोडरमा पुलिस के हत्थे चढ़े चार बदमाश, बैंक लूट की बना रहे थे योजना

कोडरमा : पुलिस ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र की कोडरमा शाखा में लूट की योजना बना रहे चार बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सोमवार देर रात तिलैया थाना क्षेत्र के इंदरवा बस्ती से झरनाकुंड जाने वाले रास्ते में सुनसान इलाके में पकड़े गए चारों बदमाश बैंक लूटने की योजना बना रहे थे, जिसकी गुप्त सूचना पुलिस को मिली थी।
बहरहाल, एसपी के द्वारा गठित टीम जब छापेमारी के लिए पहुंची तो पुलिस को देखकर चारों बदमाश सक्रिय हो गए और लूट की घटना में इस्तेमाल करने वाले पिस्टल से पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस मुठभेड़ की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने एक बदमाश के पैर में गोली मारकर उसे घायल कर दिया जबकि बाकी के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से तीन पिस्टल, 15 जिंदा कारतूस और 5 मैगजीन बरामद की है। घटना में तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार समेत कुछ पुलिसकर्मियों को मामूली चोटे भी आई है। मामले की जानकारी देते हुए एसपी कुमार शिवशिष ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के मोबाइल से बैंक आफ महाराष्ट्र की कोडरमा शाखा की रेकी किए जाने के कई वीडियो भी मिले हैं, जिससे ये साफ हो रहा है कि पकड़े गए लोग बैंक में लूट और डकैती की योजना बना रहे थे। एसपी कुमार शिवाशिष ने बताया कि पकड़े गए सभी अपराधी बिहार के सिवान और वैशाली जिले के रहने वाले है और इन्हें जेल में बंद एक कुख्यात अपराधी निरंतर सिंह निर्देशित कर रहा था। उन्होंने आगे बताया कि निरंतर सिंह को भी रिमांड पर कोडरमा लाने का पुलिस प्रयास करेगी। एसपी ने बताया कि पकड़े गए सभी अपराधियों पर आर्म्स एक्ट और बैंक लूट के मामले पहले से ही दर्ज है।

कोडरमा में अपराधियों के साथ पुलिस की मुठभेड़, एक को लगी गोली, बैंक लूटने की बना रहे थे योजना

कोडरमा : तिलैया थाना क्षेत्र के इंदरवा–झरनाकुंड में बैंक लूट की योजना बनाते अपराधियों की तिलैया थाना पुलिस के साथ बीती रात मुठभेड़ हो गई, जिसमें एक अपराधी को पैर में गोली लगी है। जबकि अपराधियों की धड़–पकड़ में तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार को भी पैर में चोट आई है। जानकारी के मुताबिक पुलिस को कुछ अपराधियों के द्वारा अपराध की योजना बनाने की गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना के तहत पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस को देखते ही बैंक लूट की योजना बना रहे एक अपराधी ने पुलिस पर हथियार तान दिया। इस दौरान पुलिस के द्वारा फायरिंग की गई, जिसमें एक अपराधी घायल हो गया।
घायल अपराधी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इसके अलावा उसके साथ तीन अपराधियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है और उससे लगातार पूछताछ की जा रही है। पकड़े गए सभी अपराधी बिहार के सिवान के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जो इंदरवा–झरनाकुंड स्थित एक मकान में बैंक लूट की योजना बना रहे थे। अपराधियों के पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं।
घटना की सूचना मिलने के बाद एसपी कुमार शीवाशीष भी सदर अस्पताल पहुंचे और घटना में चोटिल थाना प्रभारी विनय कुमार से उनका हाल–चाल जाना। साथ ही अपराधियों से पूछताछ की। एसडीपीओ प्रमोद केसरी ने बताया कि चार अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। अपराधियों से तीन पिस्टल, 15 राउंड कारतूस और पांच मैगजीन भी बरामद की गई हैं।

होटल में लगी आग,इलाके में मची अफरा-तफरी

साहिबगंज :शहर के शशि भूषण रॉय रोड स्थित होटल कलिंगा इंटरनेशनल में बुधवार को आग लगने की सूचना सामने आई है।होटल नगर थाना के समीप स्थित है।घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया।आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम के मौके पर पहुंचने और आग पर काबू पाने की कार्रवाई की जानकारी सामने आने की प्रतीक्षा है।फिलहाल आग लगने के कारण,कितना नुकसान हुआ है और किसी के हताहत होने की स्थिति को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जिरवाबाड़ी पुलिस ने एक युवक को आठ ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार

साहिबगंज :जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र पुलिस लाइन विवाह भवन के समीप जांच अभियान के दौरान जिरवाबाड़ी पुलिस ने एक युवक को आठ ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है ।साथ ही एक बुलेट बाइक एवं एक मोबाइल भी जब्त किया है। युवक की पहचान झरना कॉलोनी निवासी राजकुमार हरि के रूप में हुई है। इस मामले की जानकारी एसडीपीओ सुशील कुमार देते हुए बताएं कि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह को को गुप्त सूचना मिली कि एक युवक बुलेट बाइक जेएच 18 क्यू 4217 से राजमहल के तरफ से अवैध प्रबंध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर लेकर आ रहा है जो जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के स्टेडियम रोड की तरफ जाने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टीम का गठन किया गया और टीम में अंचलाधिकारी के साथ आजाद नगर पुलिस लाइन रोड विवाह भवन के पास वाहन जांच अभियान प्रारंभ किया गया। जांच के दौरान लगभग 8:30 से 9:00 बजे के बीच बुलेट हंटर बाइक सवार व्यक्ति तेजी से आजाद नगर जाते हुए दिखा जिसे छापेमारी दल के द्वारा रोकने का इशारा किया गया ।

दोनों हाथों से स्पिन का कमाल, यूपी के विजय यादव ने बनाई अलग पहचान

एजेंसी

लखनऊ : यूपी टी20 लीग सीजन-4 में गत चैंपियन काशी रुद्राक्ष की ओर से खेल रहे 24 वर्षीय विजय यादव अपनी अनोखी गेंदबाजी शैली से बल्लेबाजों को चौंका रहे हैं। एक ही ओवर में दोनों हाथों से आसानी से स्पिन गेंदबाजी कराने की क्षमता रखने वाले विजय यादव ने हाल ही में अपनी पुरानी टीम गौर गोरखपुर लायंस के खिलाफ 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर काशी रुद्राक्ष को एक यादगार जीत दिलाई। साल 2024 में लीग में पदार्पण करने वाले गोरखपुर के इस युवा स्पिनर को यूपी टी20 लीग 2026 के ऑक्शन में काशी रुद्राक्ष ने 5.2 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। गोरखपुर के रहने वाले विजय के पिता पुलिस विभाग में सब-इंस्पेक्टर हैं और माता गृहणी हैं। अपने शुरूआती दिनों और दोनों हाथों से गेंदबाजी के विचार पर बात करते हुए विजय यादव ने बताया, ₹मैंने 2012 में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। भारत की 2011 विश्व कप जीत ने मुझे बहुत प्रेरित किया कि मुझे भी देश के लिए कुछ बड़ा करना है। शुरूआत से ही मेरा बायां हाथ थोड़ा काम करता था। अमूमन दाएं हाथ के बल्लेबाज दाएं हाथ के गेंदबाजों पर ज्यादा हावी होते हैं, इसलिए मुझे उन्हें गेंदबाजी करने में थोड़ी दिक्कत आती थी। इसके बाद मैंने अपने बाएं हाथ पर काम करना शुरू किया और कड़ी मेहनत के साथ इस पर नियंत्रण हासिल किया। ₹ दोनों हाथों से गेंदबाजी के शारीरिक तनाव पर विजय ने कहा, ₹लोगों को टीवी पर यह बहुत आसान लगता है, लेकिन दोनों हाथों से एक जैसी सटीकता से गेंदबाजी करना बेहद कठिन है। इसके लिए मुझे दोनों हाथों से अलग-अलग दोगुनी मेहनत और प्रैक्टिस करनी पड़ती है। निचले क्रम में आकर लंबे-लंबे छक्के लगाने वाले विजय यादव दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने कहा कि विराट कोहली मेरे आदर्श हैं। क्रिकेट को लेकर उनका जुनून, समर्पण, प्रेरणा और आक्रामकता देखना मुझे बहुत

एक दशक का दबदबा कायम रखने उतरेगा भारत, हॉकी विश्व कप में पाकिस्तान से महामुकाबला आज

एजेंसी

नई दिल्ली : हॉकी विश्व कप 2026 में आज शाम भारत और पाकिस्तान की बहुप्रतीक्षित भिड़ंत होगी। नीदरलैंड्स के एम्सटेलवीन के वागेनर हॉकी स्टेडियम में होने वाले इस हाई-वोल्टेज मुकाबले पर दुनियाभर के हॉकी प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। पूल डी के इस अहम मुकाबले में भारतीय टीम जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी, जबकि पाकिस्तान के लिए यह मुकाबला करो या मरो का होगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। पूल डी से शीर्ष दो टीमें अगले दौर की दौड़ में बनी रहेंगी, जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को वर्गीकरण मुकाबले खेलने होंगे। भारत ने टूनार्मेंट में अब तक दो मुकाबले खेले हैं। टीम ने अपने अभियान की शुरूआत वेल्स के खिलाफ 3-1 की जीत के साथ की थी, लेकिन दूसरे मैच में इंग्लैंड के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला भारत का ग्रुप चरण में तीसरा और आखिरी मैच है। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने दो मुकाबलों में एक ड्रॉ और एक हार के साथ सिर्फ एक अंक हासिल किया है और वह ग्रुप डी में चौथे स्थान पर है। भारत को ड्रॉ भी दिला सकता है अगला दौर ग्रुप डी में इंग्लैंड अपने दोनों मुकाबले जीतकर शीर्ष दो में जगह पक्की कर चुका है। अब दूसरे स्थान के लिए भारत, पाकिस्तान और वेल्स के बीच मुकाबला है। भारत को पाकिस्तान के खिलाफ कम से कम ड्रॉ की जरूरत है, जबकि पाकिस्तान और वेल्स को अपनी उम्मीदें कायम रखने के लिए जीत दर्ज करनी होगी। बीते कई वर्षों में पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। 2016 के दक्षिण एशियाई खेलों के फाइनल के बाद दोनों टीमें 19 बार आमने-सामने आई हैं। इनमें भारत ने 17 मुकाबले जीते हैं, जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। यानी पाकिस्तान पिछले एक दशक से भारत को नहीं हरा सका है। मुकाबले से पहले हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय टीम के दबदबे को रेखांकित करते हुए कहा कि एक दशक से पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सीनियर पुरुष टीम का पलड़ा भारी रहा है।

रानी को मिला बड़ा सम्मान

शाहरुख के बाद ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने दी मानद डॉक्टरेट की उपाधि

रानी मुखर्जी के करीब तीन दशक लंबे फिल्मी सफर में कई ऐसी फिल्में आई हैं, जिन्होंने सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर कमाई नहीं की, बल्कि लोगों के दिलों-दिमाग पर अपनी छाप छोड़ी। कभी 'कुछ कुछ होता है' की टीना बनकर उन्होंने दर्शकों को अपना दीवाना बनाया, तो कभी 'ब्लैक', 'मर्दानी' और 'हिचकी' जैसी फिल्मों में बिल्कुल अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता दिखाई। अब रानी को सिने जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया है। खास बात यह है कि शाहरुख खान के बाद रानी यह सम्मान पाने वाली दूसरी भारतीय फिल्मी हस्ती हैं। ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने उन्हें ऑनरेरी डॉक्टर ऑफ लेटर्स की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2026 के तहत फेडरेशन स्क्वायर में आयोजित एक खास समारोह में दिया गया। यूनिवर्सिटी ने यह सम्मान भारतीय सिनेमा में रानी के करीब तीन दशक लंबे योगदान को देखते हुए दिया है। सम्मान मिलने के बाद रानी मुखर्जी ने इसे अपनी जिंदगी के सबसे खास पलों में से एक बताया। उन्होंने कहा, ''जब मैं छोटी थी, तब बाकी बच्चों की तरह मेरा भी सपना था कि मैं अपने परिवार और अपने देश को गर्व महसूस करा सकूं। हालांकि उस वक्त मुझे यह नहीं पता था कि मैं ऐसा कैसे करूंगी। मुझे बस इतना मालूम था कि अगर मैं किसी एक काम में पूरी मेहनत करके अच्छी बनूं, तो मेरे माता-पिता खुश होंगे। आखिरकार सिनेमा मेरे लिए वह माध्यम बना, जिसके जरिए मैं इस सपने को पूरा कर सकी।'' रानी ने अपने करियर के फैसलों के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''मैं शुरुआत से ही जोखिम उठाने के लिए हमेशा तैयार रही। मैंने कभी आसान या सुरक्षित रास्ता नहीं चुना। मैं ऐसी फिल्मों को चुनती थी, जिनकी कहानी सबसे पहले मेरे दिल को छूती हो। मेरे लिए जरूरी रहा है कि कहानी ऐसी हो, जिसे बताया जाना चाहिए, जो लोगों को प्रेरित करे और उन्हें सशक्त बनाए। मेरे करियर में रोमांटिक फिल्मों के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर बनी कई फिल्में भी शामिल हैं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती थीं, जिनमें महिलाओं को सिर्फ सहायक किरदार के रूप में नहीं, बल्कि अपनी सोच और फैसले रखने वाली मजबूत शख्सियत के तौर पर दिखाया जाए। अपने मन का काम करने के बदले ऐसा सम्मान मिलना आगे भी इसी दिशा में काम करने के लिए और प्रेरित करता है।''

नया शो ला रहीं एकता कपूर!

क्या टीवी पर पहली बार नजर आएगी गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या की जोड़ी?

गौरव खन्ना बीते कई दिनों से अपनी पत्नी आकांक्षा चमोला के तलाक वाले बयान के बाद से सुर्खयों में हैं। वहीं श्रद्धा आर्या भी टीवी के जाने-माने चेहरों में से एक हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एकता कपूर के शो में नजर आ सकते हैं।

फैमिली ड्रामा का बन सकते हैं हिस्सा

खबरों के मुताबिक, दोनों एक्टर्स एकता कपूर के अपकमिंग रोमांटिक फैमिली ड्रामा का हिस्सा बन सकते हैं। यह शो स्टार प्लस पर आने की बात कही जा रही है। फिलहाल शो को लेकर मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट अभी डेवलपमेंट और कास्टिंग स्टेज में है। अगर दोनों की कास्टिंग फाइनल होती है, तो यह पहली बार होगा जब गौरव और श्रद्धा किसी शो में साथ नजर आएंगे। टेली मसाला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह शो एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा होगा। कहानी में प्यार के साथ-साथ परिवार, रिश्ते और उनके बीच आने वाली परेशानियों को दिखाया जाएगा। इस शो को एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स तैयार कर रही है। फिलहाल मेकर्स शो के लिए बाकी कलाकारों की कास्टिंग पर भी काम कर रहे हैं।

तेजस्वी प्रकाश से पुराने मतभेद पर सुरभि चंदना बोलीं

गलतफहमियों को लंबा नहीं खींचना चाहिए

मुंबई टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था।

अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की।अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने अपनी प्रोडक्शन डेब्यू सीरीज इश्क दम और इडली रसम का उदाहरण देते हुए बताया कि उनके कई पुराने को-स्टार्स इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने हैं। इन कलाकारों के साथ मेरा रिश्ता सिर्फ काम तक सीमित नहीं है, बल्कि सालों पुरानी दोस्ती भी है। जब मैंने अपना शो के लिए पुराने दोस्तों को खुद फोन किया और उनसे इसमें काम करने के लिए कहा, तो वह तुरंत राजी हो गए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है। मैं तेजस्वी की बर्थडे पार्टी में शामिल हुई थी। वह भी मेरे शो की सक्सेस पार्टी में आई थीं। हम दोनों एक-दूसरे को काफी लंबे समय से जानती हैं। हमारा रिश्ता उस समय से है, जब तेजस्वी ने ज्यादा शोज नहीं किए थे। हमारे पास एक-दूसरे के नंबर हैं और हम इंस्टाग्राम पर भी एक-दूसरे को फॉलो करते हैं।

शाजान पद्मसी ने अपने पहले सिंगल रातां कालियां से बतौर सिंगर किया डेब्यू

मुंबई एक्टर के तौर पर लोगों का दिल जीतने के बाद, शाजान पद्मसी अब अपने पहले सिंगल के साथ एक नई म्यूज़िकल जर्नी की शुरुआत कर रही हैं। शाजान पद्मसी अब अपनी आर्टिस्ट्री का एक बिल्कुल नया पहलू एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हैं। अपने पहले सिंगल रातां कालियां के साथ वह बतौर सिंगर डेब्यू कर रही हैं। स्क्रीन पर अपनी पहचान बनाने के बाद, शज़ान अब माइक्रोफोन के पीछे अपनी आवाज़ का जादू बिखेरने जा रही हैं और यह उनकी क्रिएटिव जर्नी का एक नया चैप्टर है। म्यूज़िक हमेशा से ही शाजान की ज़िंदगी का अहम हिस्सा रहा है। बहुत कम उम्र में बोर्डिंग स्कूल जाने के कारण उन्होंने परिवार से जुड़े रहने के लिए लेटर्स लिखना शुरू किया। इसी दौरान उन्होंने कम उम्र में ही अपने इमोशन्स को एक्सप्रेस करना सीखा। इकलौती संतान होने की वजह से म्यूज़िक भी उनके लिए एक तरह की थेरेपी बन गया। दो मशहूर हस्तियों की बेटी होने के कारण शाजान का बचपन बेहद क्रिएटिव माहौल में बीता। उनकी मां भारत की पहली पॉप स्टार्स में से एक रही हैं। घर में अक्सर प्लेज़ और म्यूज़िकल्स की रिहर्सल्स होती रहती थीं और एक्टर्स व सिंगर्स का आना-जाना लगा रहता था। टीनएज में शाजान की दिलचस्पी हाउस म्यूज़िक में बढ़ी। उन्होंने हॉबी के तौर पर म्यूज़िक प्रोडक्शन सीखा और खुद से पियानो बजाना भी सीखा। हालांकि, बड़ी होने के साथ उन्होंने मॉडलिंग और एक्टिंग पर फोकस करने के लिए अपने म्यूज़िक पैशन को कुछ समय के लिए रोक दिया और कई पॉपुलर बॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बनीं।

'12वीं फेल' की शूटिंग के दौरान मैंने विधु विनोद चोपड़ा से 300 रुपए कमाए : विक्रांत मैसी

अभिनेता विक्रांत मैसी काफी समय से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं लेकिन विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म '12वीं फेल' ने उनके अभिनय को अलग पहचान दी थी। अभिनेता ने हाल ही में बताया कि फिल्म से उन्होंने करीब 300 रुपये कमाए थे। दरअसल, अभिनेता हाल ही में शेखर सुमन के शो 'शेखर टुनाइट' में गए थे, जहां उन्होंने बातचीत में विधु विनोद चोपड़ा के साथ अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेता ने निर्देशक के साथ पहली मुलाकात के बारे में बताया, 'फिल्म '12वीं फेल' मेरे लिए खास अनुभव था

क्योंकि मैंने फिल्म को डेढ़ साल दिए थे। जब मैं पहली बार विनोद सर से मिला, तो राजकुमार हिरानी ने उन्हें मेरा नाम रिकमेंड किया था। उन्होंने मेरी फिल्म 'ए डेथ इन द गंज' और मेरा शो 'मिर्जापुर' देखा था।' उन्होंने कहा, 'विधु विनोद चोपड़ा ने मुझसे कहा कि उन्हें मेरा काम काफी पसंद आया था लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि मिर्जापुर ऐसा शो नहीं है जिसे वह एक एपिसोड से ज्यादा देख सकें। फिर उन्होंने मुझसे पूछा, 'मैं तुम्हारे साथ काम क्यों करूं? तुम एक टीवी एक्टर हो, लोग तुम्हें घर पर फ्री में देखते हैं, तो वे तुम्हें देखने के लिए थिएटर क्यों आएंगे?' मैंने इसे बहुत मजे से लिया क्योंकि कहीं न कहीं, मुझे लगा कि उनकी बातों में सच्चाई और कंस्ट्रक्टिव क्रिटिसिज्म है। मैंने बस उनसे कहा कि मैं उनके साथ काम करना चाहता हूं। ' विक्रांत ने बताया कि ऑडिशन के दौरान, वह उसी पोजिशन में बैठे थे जो आप 12वीं फेल के ओपनिंग शॉट में देखते हैं। विक्रांत ने कहा, 'जब विनोद सर ने मुझे उस पोजिशन में देखा, तो वह उठे और कहा कि मैं इस लड़के को डायरेक्ट करना चाहता हूं। इस एक्सपीरियंस को खास बनाने वाली बात यह थी कि उन्होंने मुझे फिल्म और स्क्रिप्ट के डेवलपमेंट में शामिल किया।

किसके साथ गोविंदा को देख भड़कीं सुनीता?

शर्म आनी चाहिए

'बेटी की उम्र की लड़की को लेकर घूम रहा'

गोविंदा का नाम इन दिनों उनकी आगामी फिल्म 'रूपा' की एक्ट्रेस कोमल रानी से जोड़ा जा रहा है। उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिस पर सुनीता आहूजा का रिएक्शन सामने आया है। अभिनेता गोविंदा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें उनके साथ नया चेहरा कोमल रानी स्वर्णकार मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। वे इस फिल्म से डेब्यू कर रही हैं। इस बीच चीची और कोमल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस पर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने काफी सख्त प्रतिक्रिया दी है।

रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ नजर आए गोविंदा

गोविंदा लंबे अरसे बाद फिल्म 'रूपा' से कमबैक करने को तैयार हैं। बीते दिनों एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभिनेता ने फिल्म से जुड़ी डिटेल्स साझा की थी। फिल्म में उनके साथ कोमल रानी स्वर्णकार नजर आएंगी। दोनों के कथित अफेयर की चर्चाएं भी बी-टाउन में छाई हुई हैं। डेटिंग की रूमर्स के बीच गोविंदा और कोमल को साथ में देखा गया। वीडियो वायरल हो रहा है।

गोविंदा के इस वायरल वीडियो पर जब उनकी पत्नी सुनीता आहूजा से सवाल किया गया तो उन्होंने काफी तल्ख टिप्पणी की। दरअसल, पैपराजी ने सुनीता से पूछा, 'गोविंदा प्रमोशन कर रहे है मूवी का कोमल रानी के साथ'। इस पर सुनीता आहूजा ने कहा, 'फिल्म बननी भी तो चाहिए प्रमोशन के लिए। प्रमोशन फिल्म बनने के बाद होता है। ये बिना फिल्म के ही प्रमोशन कर रहे हैं।

कुलागाड़ में वैली ब्रिज टूटा, सीमांत क्षेत्र का संपर्क कटा

एजेंसी

पिथौरागढ़ : धारचूला-तवाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुलागाड़ के पास पहाड़ी से गिरे मलबे और भारी बोल्डरों की चपेट में आने से वैली ब्रिज टूट गया। पुल टूटने के बाद मार्ग पर आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई है। इससे दारमा, व्यास और चौदास घाटी के साथ ही आसपास के गांवों का धारचूला तहसील मुख्यालय से संपर्क कट गया है। बताया जा रहा है कि पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर गिरने से वैली ब्रिज इसकी चपेट में आ गया। मलबे और बोल्डरों के भारी दबाव के कारण पुल क्षतिग्रस्त होकर टूट गया। पुल टूटने के बाद दोनों ओर वाहनों की आवाजाही रुक गई है। मार्ग बंद होने का सबसे अधिक असर सीमांत क्षेत्र के ग्रामीणों पर पड़ा है। दारमा, व्यास और चौदास घाटी के ग्रामीणों को तहसील मुख्यालय तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जरूरी सामान और अन्य आवश्यक सेवाओं की आवाजाही भी प्रभावित होने की आशंका है। इसी मार्ग से पूजा-पाठ के लिए कुटी और गुंजीजा रहे श्रद्धालु भी रास्ते में फंस गए हैं। मार्ग बंद होने के कारण श्रद्धालुओं की यात्रा प्रभावित हुई है और उन्हें पुल खुलने का इंतजार करना पड़ रहा है। वैली ब्रिज टूटने से सीमांत क्षेत्र में तैनात सेना और सुरक्षा बलों की आवाजाही पर भी असर पड़ा है। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में सड़क संपर्क बाधित होने से प्रशासन के सामने जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करने की चुनौती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से क्षतिग्रस्त वैली ब्रिज की जल्द मरम्मत कराने तथा आवाजाही सुचारु करने की मांग की है। लगातार बारिश के बीच पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने की घटनाओं ने सीमांत क्षेत्र में लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। वैली ब्रिज टूटने के बाद दारमा, व्यास और चौदास घाटी फिलहाल धारचूला मुख्यालय से कट गई हैं। अब लोगों को मार्ग की बहाली और सुरक्षित आवाजाही शुरू होने का इंतजार है।

चेतावनी स्तर पार कर रही गंगा और कोसी नदियाँ, तटबंधों पर बढ़ी निगरानी

भागलपुर, : जिले के नवगछिया अनुमंडल में गंगा और कोसी नदी के जलस्तर में बुधवार को एक बार फिर भारी तेजी दर्ज की गई है। नदियों के बढ़ते जलस्तर ने तटबंधों पर दबाव बढ़ा दिया है, जिससे आस-पास के इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। जल संसाधन विभाग की 19 अगस्त की सुबह छह बजे की रिपोर्ट के अनुसार, कई स्थानों पर नदियों का पानी तटबंध के निचले हिस्से को छू रहा है। स्थिति को देखते हुए विभाग ने सभी प्रमुख तटबंधों पर चौबीसों घंटे निगरानी बढ़ा दी है। गंगा नदी का सबसे अधिक दबाव इस्माईलपुर-बिंद टोली में देखा जा रहा है। यहाँ स्पर संख्या-7 पर गंगा का जलस्तर 30.75 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी स्तर से 15 सेंटीमीटर ऊपर है। पिछले 24 घंटे में यहाँ 22 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। हालांकि, खतरे का स्तर 31.60 मीटर निर्धारित है और जल संसाधन विभाग ने फिलहाल तटबंध को पूरी तरह सुरक्षित बताया है। काजीकोरैया-राघोपुर मार्जिनल बांध के समीप गंगा के जलस्तर में सबसे तेज उछाल आया है। यहाँ पिछले 24 घंटे के भीतर रिकॉर्ड 40 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे जलस्तर 31.92 मीटर पर पहुँच गया है। यहाँ चेतावनी स्तर 32.68 मीटर और खतरे का स्तर 33.68 मीटर है। नदी का पानी यहाँ भी तटबंध के निचले हिस्से को छू रहा है। जेबी चोरहर में कोसी का जलस्तर 10 सेंटीमीटर बढ़कर 30.60 मीटर पर पहुँच गया है, जो चेतावनी स्तर से महज 17 सेंटीमीटर नीचे है। यहाँ बागजान जमींदारी बांध के कई हिस्सों में नदी का पानी तटबंध के टो को छू रहा है। वहीं दूसरी ओर, मदरौनी में भी कोसी का जलस्तर 8 सेंटीमीटर की वृद्धि के साथ 30.03 मीटर दर्ज किया गया है। यहाँ चेतावनी स्तर 30.48 मीटर है। चारों प्रमुख संवेदनशील स्थलों के आंकड़ों से साफ है कि बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ रहा है। जल संसाधन विभाग के अभियंताओं और अधिकारियों की टीम लगातार तटबंधों की स्थिति पर नजर रख रही है। विभाग का कहना है कि पानी भले ही तटबंधों के टो को छू रहा है, लेकिन सभी बांध और स्पर फिलहाल पूरी तरह सुरक्षित हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

असम में बाढ़ से 115 गांवों के 23876 नागरिक प्रभावित

गुवाहाटी, 19 अगस्त (हि.स.)। असम में बाढ़ से पांच जिलों के 14 राजस्व मंडलों के 115 गांवों के 23876 नागरिक प्रभावित हैं। बाढ़ अपने पीछे लंबे समय तक न भूलने की त्रास्दी छोड़ गई है। ऊपरी असम के चार जिलों के प्रभावित लोगों ने जन-धन गंवाने के बावजूद नए सिरे से अपनी जिंदगी को जीने की कवायद तेज कर दिया है। इस समय सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। बीती रात मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में भी प्रभावितों के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को लेकर निर्णय लिए गए।
बाढ़ संबंधी यह सूचना असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 18 अगस्त के जारी आंकड़ों में दी गई है। अब तक 106 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट जिलों में हुआ है। इस समय 3206 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। मंगलवार को बाढ़ प्रभावित जानवरों की कुल संख्या 14645 दर्ज हुई है। बाढ़ में राहत एवं बचाव अभियान में पुलिस एवं प्रशासन की टीमें जुटी हुई हैं। राज्य सरकार ने कुल 10 मेडिकल टीमों को तैनात किया। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

भारी बारिश से हिमाचल में जनजीवन प्रभावित, 279 सड़कें बंद, मानसून से नुकसान एक हजार करोड़ रुपये पहुंचा

शिमला : हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में बुधवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। भूस्खलन, पेड़ गिरने और जलभराव की घटनाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रदेश में इस समय 279 सड़कें बंद हैं, जबकि मानसून से होने वाले नुकसान का आंकड़ा बढ़कर एक हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कई क्षेत्रों में बिजली और पेयजल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग ने 21 अगस्त तक भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार बीते 24 घंटों में सबसे अधिक 156 मिलीमीटर बारिश हमीरपुर जिले के सुजानपुर टीहरा में दर्ज की गई। इसके अलावा बिलासपुर जिले के नैना देवी में 136 मिलीमीटर, हमीरपुर के नादौन में 128 मिलीमीटर, कांगड़ा जिले के धर्मशाला में 127 मिलीमीटर, ऊना जिले के भरवीं में 118 मिलीमीटर, कांगड़ा के गगल और पालमपुर में 111-111 मिलीमीटर तथा नगरोटा सूरियां में 90 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में नदी-नाले उफान पर हैं। जगह-जगह भूस्खलन होने से सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार बुधवार सुबह तक प्रदेश में 279 सड़कें बंद थीं। इनमें मंडी जिले में सबसे अधिक 100 सड़कें प्रभावित हैं। चंबा में 83, शिमला में 26, कुल्लू में 25 और सिरमौर में 16 सड़कें बंद हैं। कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क भी प्रभावित हुआ है। बारिश का असर बिजली और पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ा है। प्रदेश में 310 बिजली ट्रांसफार्मर और 84 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। लाहौल-स्पीति जिले के स्पीति उपमंडल में 101 ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली आपूर्ति बाधित है।

कोलकाता होटल अग्निकांड के बाद ट्रेड लाइसेंस और अग्नि सुरक्षा पर उठे सवाल, राज्य सरकार ने जांच के दिए संकेत

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता के न्यू मार्केट थाना क्षेत्र के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित होटल में हुए भीषण अग्निकांड में नौ लोगों की मौत के बाद होटल को मिले ट्रेड लाइसेंस, बिजली कनेक्शन और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। राज्य की नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने बुधवार को घटनास्थल का दौरा कर होटल को कथित तौर पर नियमों के उल्लंघन के बावजूद अनुमति मिलने पर सवाल उठाए।
अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि पांच मंजिला इमारत में कई होटल संचालित हो रहे थे। कमरों का आकार छोटा था और प्रवेश तथा निकास के रास्ते भी संकरे थे। उन्होंने कहा कि वहां आपातकालीन निकासी की पर्याप्त व्यवस्था और आग बुझाने के जरूरी इंतजाम भी नजर नहीं आए। ऐसे में संबंधित एजेंसियों से मंजूरी कैसे मिली, इसकी जांच होनी चाहिए। मंत्री ने पूर्व नगर मंत्री और कोलकाता के पूर्व मेयर फिरहाद हाकिम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 15 वर्षों में राज्य में बड़ी संख्या में अवैध तरीके से होटल कारोबार विकसित हुआ और

पिछली सरकार के कार्यकाल में ऐसी इकाइयों का समुचित निरीक्षण या ऑडिट नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार को सत्ता में आए अभी करीब 100 दिन हुए हैं और इतने कम समय में पूरे राज्य में ऐसी सभी इकाइयों की पहचान करना संभव नहीं है। अग्निमित्रा पॉल ने कहा, मेरी जगह पर जो पहले थे, उन्होंने क्या किया? ट्रेड लाइसेंस किसने दिया? सीईएससी ने अनुमति कैसे दी? एक एसी की अनुमति लेकर 10 एसी चलाए गए। पूर्व मेयर फिरहाद हाकिम के खिलाफ कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि पूरे मामले की रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी और जिम्मेदारी तय करने के लिए जांच की जाएगी।
इधर, फिरहाद हाकिम ने आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि किसी होटल के पास ट्रेड लाइसेंस है या नहीं, यह देखना मेयर की जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि होटल के पास अग्निशमन लाइसेंस था या नहीं और अग्नि सुरक्षा ऑडिट हुआ था या नहीं, इसकी जानकारी अग्निशमन विभाग ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि इन चीजों की जांच मेयर के स्तर पर संभव नहीं है। राज्य के अग्निशमन राज्य मंत्री कौशिक चौधरी ने भी आरोप लगाया कि अग्निशमन विभाग के मुख्यालय के पास स्थित यह होटल वैध अनुमति के बिना संचालित हो रहा था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की गलतियों का खामियाजा मौजूदा सरकार को भुगतना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि इस अग्निकांड में नौ लोगों की मौत हुई है। मृतकों की नागरिकता को लेकर भी जांच जारी है। बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त मोहम्मद खालिद ने कोलकाता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आपातकालीन विभाग का दौरा कर पुलिस से जानकारी ली। उन्होंने प्रारंभिक जानकारी के आधार पर बताया कि मृतकों में एक झारखंड निवासी और आठ लोगों के बांग्लादेशी होने की आशंका है। हालांकि, नागरिकता की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

चुनाव आयोग से जुड़े काम की जिम्मेदारी निभाएंगे सतीश मिश्र : मायावती

एजेंसी

लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सबसे भरोसेमंद और पार्टी के महासचिव सतीश चन्द्र मिश्र को चुनाव आयोग सम्बंधी कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी हैं।
बसपा सुप्रीमो ने कहा बहुजन समाज पार्टी के काफी लम्बे अरसे से चले आ रहे राष्ट्रीय महासचिव सतीश चन्द्र मिश्र को पार्टी द्वारा लीगल व मीडिया आदि के साथ-साथ अब चुनाव आयोग सम्बंधी कार्यों की भी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी संभालेंगे। इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में रणनीति,चुनाव की तैयारी तथा प्रबंधन समेत अन्य कार्यों में भी इनकी अहम भूमिका रहेगी। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार

को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के मद्देनजर बसपा के उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। जिसको लेकर विरोधी पार्टियों में काफी बेचैनी है और सत्ताधारी पार्टी बीजेपी व अन्य विरोधी पार्टियों में भी अब अनवरत बदलाव होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि बसपा ने सर्वसमाज में से खासकर ब्राह्मण समाज को भी पार्टी में उनकी 2007 की तरह बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की तैयारी के हिसाब से, उन्हें बसपा उम्मीदवार बनाना जब से शुरू किया है तब से विरोधी पार्टियों में इसको लेकर चर्चा व चिन्ताएं दोनों होना स्पष्ट है, जिनके हथकण्डों से 'बहुजन समाज' के लोगों को लगातार सजग व सतर्क रहने की जरूरत है।

रियासी में गाड़ी खाई में गिरी, तीन लोगों की मौत, दो घायल

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले में एक पहाड़ी सड़क से गाड़ी फिसलकर खाई में गिर गई जिससे एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों आज बताया कि यह हादसा मंगलवार देर रात पनासा गांव के पास हुआ जब थानोले से थूब गांव जाते समय एक एसयूवी का ड्राइवर मोड़ पर गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा। उन्होंने बताया कि बचाव दल को प्रेम सिंह (50) उनकी पत्नी तुरी देवी (45) और सास दुर्गी देवी (70) मृत मिले। बचाव दल ने मलबे से उनके शव निकाले। अधिकारियों ने बताया कि गाड़ी के खाई में गिरने से पहले उसमें सवार दो अन्य यात्री कूदने में सफल रहे जिससे वे घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एक अन्य हादसे में मंगलवार रात राजौरी ज़िले के खवास इलाके के गुंधा गांव में एक कैब सड़क से उतरकर खेत में जा गिरी जिससे छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। ग्लोबल बॉन्ड की बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमत की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार कमजोर सेंटीमेंट बना रहा। इसकी वजह से डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 116 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.69 प्रतिशत

टूट कर 7,691.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 355.20 अंक यानी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,289.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.10 प्रतिशत लुढ़क कर 53,292.38 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,728.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,509.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 210.25 अंक यानी 0.80 प्रतिशत फिसल कर 26,128.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ।
एशियाई बाजार में भी आज दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता हैंग सेंग इंडेक्स 59.85 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,531 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 72 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,107 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.27 प्रतिशत लुढ़क कर 5,686.17 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 398.53 अंक यानी 5.80 प्रतिशत टूट कर 6,471.30 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

निर्मला सीतारमण मंत्री स्तरीय गोलमेज बैठक के लिए सिंगापुर रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण चौथी भारत-सिंगापुर मंत्री स्तरीय गोलमेज बैठक (आईएसएमआर) में भाग लेने के लिए मंत्री स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा पर बुधवार को रवाना हुईं।
वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में बताया कि मंत्री निर्मला सीतारमण एक मंत्री स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा पर आज रवाना हुईं। वह 19-20 अगस्त को होने वाली दो दिवसीय चौथी भारत-सिंगापुर मंत्री स्तरीय गोलमेज बैठक में भाग लेंगी। सीतारमण जिस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं, उसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद शामिल हैं। वित्त मंत्रालय के

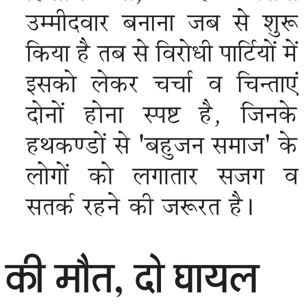

मुताबिक 2022 में शुरू की गई भारत-सिंगापुर मंत्रीस्तरीय गोलमेज बैठक भारत और सिंगापुर के बीच एक अहम उच्चस्तरीय आर्थिक व्यवस्था है। यह बैठक छह क्षेत्रों- एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा, कौशल विकास और सस्टेनेबिलिटी में हुई प्रगति की समीक्षा करने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए एक मंच प्रदान करती है। मंत्रालय के मुताबिक चौथी आईएसएमआर बैठक इन क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति को आगे बढ़ाएगी और भारत-सिंगापुर आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के नए अवसरों पर विचार करेगी।

मुनिरका में मणिपुर के दो लोगों से मारपीट, एनएचआरसी ने लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने यहां मुनिरका इलाके में मणिपुर के दो लोगों के साथ कथित मारपीट के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। इस हमले में एक व्यक्ति के सिर में गंभीर चोट आई है और उसे अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया है। एनएचआरसी ने कहा 14 अगस्त को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि मामूली विवाद के बाद दो लोगों पर दो व्यक्तियों ने कथित तौर पर हमला कर दिया। घटना दिल्ली के मुनिरका इलाके की बताई गई है। आयोग ने इसे गंभीर मामला मानते हुए कार्रवाई की है। आयोग ने कहा कि ये सारी जानकारी मीडिया रिपोर्ट में दी गई हैं। यदि ये मीडिया रिपोर्ट में सामने आई बातें सही हैं तो यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला है। इस पर एनएचआरसी ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने पुलिस से मामले में की गई जांच और घायल व्यक्ति की मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी भी देने को कहा है। आयोग ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

महोबा में सड़क की मांग को लेकर छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग किया जाम, पुलिस ने हटाया

महोबा : उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में बदहाल सड़क और गंदगी से परेशान - छात्र छात्राओं ने बुधवार को समस्या के निराकरण को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर जाम लगा दिया। झमाझम बारिश के बीच भी जेन अल्फा अपनी मांगों पर डटा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर छात्रों को समझा बुझा जाम खुलवा कर यातायात बहाल कराया। समय से समस्या का निस्तारण न होने पर छात्रों ने दोबारा आंदोलन की चेतावनी दी है। बुधवार को जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव रैपुरा निवासी स्कूली छात्र छात्राओं ने सुबह से ही झांसी मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे राजमार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। छात्र अमन कुमार, मानसिंह, राम किशोर, राजेश, प्रियंका, राधा, आरती समेत अन्य छात्र छात्राओं ने बताया कि उनके गांव रैपुरा से राजमार्ग तक सड़क गड्ढों में तब्दील होने के कारण उन्हें निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन वाहन भी असंतुलित होकर पलटने की स्थिति में पहुंच जाते हैं। कई बार बच्चे गिरकर चुटहिल भी हो चुके हैं। इसके साथ ही सड़क किनारे संचालित मिलों का कचड़ा भी सड़क किनारे फेंकने से रास्ता में गंदगी का अंबार लगा है। जाम की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाकर जाम खुलवाया। बच्चों को हटाने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जिसके बाद यातायात सुचारु रूप से बहाल हो सका। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि सड़क की समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार पांडेय ने बताया कि बच्चों को समझाकर यातायात बहाल कराया है।

ओम बिरला के साथ केंद्रीय मंत्रियों ने गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली : महाकवि एवं भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्रियों के साथ प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने उन्हें नमन किया। उन्होंने लोकभाषा के माध्यम से भक्ति को जन-जन तक पहुंचाने और भगवान श्रीराम के आदर्शों को भारतीय जनमानस के जीवन-मूल्यों से जोड़ने वाले तुलसीदास के योगदान को याद किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तुलसीदास को नमन करते हुए कहा कि उनकी अमर रचना ह्यश्रीरामचरितमानसह्व में मयार्दा, करुणा, त्याग, सत्य, कर्तव्य और धर्म का ऐसा समन्वय है, जो हर युग में मनुष्य को जीवन की सही दिशा दिखाता है। उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने संस्कृत की गूढ़ आध्यात्मिक चेतना को लोकभाषा की सरलता और सरसता में ढालकर भक्ति को जन-जन तक पहुंचाया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तुलसीदास की पंक्तियां ह्वजा पर कृपा राम की होई, ता पर कृपा करहिं सब कोईह्व साझा करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि ह्यश्रीरामचरितमानसह्व के माध्यम से तुलसीदास ने सत्य, मयार्दा, करुणा, कर्तव्य और लोककल्याण की राह दिखाई। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तुलसीदास को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी कृतियां भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत हैं और आने वाली पीढ़ियों को लोककल्याण तथा मर्यादित जीवन की प्रेरणा देती रहेंगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि तुलसीदास ने सरल और प्रभावी शब्दों के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया। उनकी अमर रचनाएं आज भी करोड़ों लोगों को मयार्दा, सदाचार और आदर्श जीवन की प्रेरणा देती हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ह्वराम नाम मनिदीप धरु जीह देहरीं द्वारह्व की चौपाई साझा करते हुए तुलसीदास को नमन किया और प्रदेशवासियों को जयंती की बधाई दी। उन्होंने कहा कि तुलसीदास की दिव्य कृतियों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, सनातन संस्कृति और भारतीय जीवन-मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ह्वरामहि केवल प्रेमु पिआराह्व का उल्लेख करते हुए कहा कि तुलसीदास ने भक्ति को लोकमंगल से, आस्था को आचरण से तथा धर्म को कर्तव्य और मयार्दा से जोड़ा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी महाकवि को श्रद्धापूर्वक याद किया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गोस्वामी तुलसीदास को नमन करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं ने सनातन धर्म की महानता और भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भावनगर में जहरीली शराब से 3 की मौत, 17 अस्पताल में भर्ती

भावनगर (गुजरात) : भावनगर जिले में नकली ह्यरॉयल स्टैगह्व ब्रांड की शराब का कहर बरपा है। जहरीली शराब के सेवन की आशंका के बीच दो और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर तीन पहुंच गई है। मृतकों की पहचान कार्तिक अश्विनभाई मकवाणा (40), उपेंद्रसिंह चंद्रसिंह गोहिल (25) और मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी नरेंद्रसिंह यादव के रूप में हुई है। जिला कलेक्टर के अनुसार फिलहाल सिविल अस्पताल में 8 और निजी अस्पतालों में 9 मरीजों का सभी की हालत फिलहाल सामान्य बताई गई है। राज्य सरकार ने घटना की जांच स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) को सौंप दी है। 18 अगस्त की देररात उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर राज्य पुलिस प्रमुख जी.एस. मलिक, आईबी प्रमुख और अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। एसएमसी के एसपी मयूर चावड़ा को तत्काल भावनगर भेजकर आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि घोघा तहसील के खरकड़ी गांव में 16 अगस्त की रात सात दोस्तों ने शराब पार्टी की। इसके बाद कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई। उपेंद्रसिंह गोहिल की उपचार के दौरान मौत हो गई। बाद में दो अन्य लोगों की भी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह मामला फिलहाल लठ्ठाकांड नहीं बल्कि नकली ह्यरॉयल स्टैगह्व शराब के सेवन से जुड़ा माना जा रहा है। नकली शराब की सप्लाई करने के आरोप में पुलिस ने चार बूटलेगरों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शराब पीने के बाद उपेंद्रसिंह को सांस लेने में तकलीफ, उल्टी और जी मिचलाने की शिकायत हुई थी। उन्हें भावनगर की सर टी. अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अन्य प्रभावित लोगों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जबकि एक व्यक्ति की गंभीर हालत को देखते हुए उसे आगे के इलाज के लिए जामनगर भेजा गया है। पुलिस ने मामले में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के वास्तविक कारण की स्थिति और स्पष्ट होगी। जिला प्रशासन और पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जिन लोगों ने संदिग्ध या नकली शराब का सेवन किया है, वे किसी भी तरह के लक्षण दिखाई देने का इंतजार न करें और तत्काल अस्पताल जाकर चिकित्सकीय जांच कराएं।

जापानी तकनीक का लाभ छोटे किसानों तक पहुंचाएं, कृषि लागत घटाकर उत्पादकता बढ़ाएं : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली : उत्तर प्रदेश और जापान के बीच निवेश, तकनीक और औद्योगिक सहयोग को नई गति देने के उद्देश्य से आयोजित यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र में जापानी तकनीक और विशेषज्ञता का लाभ भारतीय किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश को जापानी कंपनियों के निवेश के लिए मजबूत डेस्टिनेशन बताया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान की साझेदारी केवल निवेश तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ किसानों, युवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक पहुंचना चाहिए। भारत में विशाल बाजार, बड़ी युवा आबादी और कृषि क्षेत्र की व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसे में जापान के साथ तकनीकी और औद्योगिक सहयोग से कृषि में नई संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं। उन्होंने जापानी उद्योग और संस्थानों से ऐसी तकनीक और मशीनरी विकसित करने का आग्रह किया, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए भी उपयोगी और आसानी से उपलब्ध हो। उल्लेखनीय है कि यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 का आयोजन 18 से 23 अगस्त तक उत्तर प्रदेश और दिल्ली में किया जा रहा है। इसमें 200 से अधिक जापानी उद्योगपति, सीईओ, कारोबारी प्रतिनिधि और नीति-निमार्ता हिस्सा ले रहे हैं। यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में जापानी कंपनियों के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, ग्रीन हाइड्रोजन, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, सेमीकंडक्टर, ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्किल डेवलपमेंट और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसर प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

शास्त्री नगर मोहल्ले में करीब 10 फीट घटा पानी

जमशेदपुर : बाढ़ का पानी विभिन्न क्षेत्रों में घाटे से काफी राहत मिली है और कई लोग अपने घर लौट आए हैं। शास्त्री नगर में लोगों ने बताया कि रात 12 बजे के बाद से करीब 8 से 10 फीट तक पानी घटा है। कई लोग अपना सामान दूसरे जगह पर शिफ्ट कर दिए थे। लोगों की नाराजगी थी कि इतनी बारिश और बाढ़ का पानी घुसने के बावजूद राहत की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि बारिश और बारिश के पानी बस्ती के कारण वे नाश्ता खाना नहीं बना पाए थे। कम से कम सुबह में उन लोगों को प्रशासन की ओर से खाने के कुछ सामान वितरण किए जाने चाहिए थे। लोगों ने यह भी बताया कि सुबह से पानी उतर गया है लेकिन ना तो सफाई के लिए कोई पहुंचा है और ना ही कोई छिड़काव किया गया है।

23 अगस्त को बर्मामाइंस गुरुद्वारा मैदान में होगा गोंड समाज का सावन महोत्सव

जमशेदपुर : अखिल भारतीय गोंड आदिवासी संघ, जमशेदपुर की महिला समिति की ओर से 23 अगस्त 2026, रविवार को बमार्माइंस गुरुद्वारा मैदान में भव्य सावन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू होगा। महिला समिति की अध्यक्ष नीतू कुमारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत गोंड समाज की पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार बड़ादेव की पूजा-अर्चना से होगी।पूजा के बाद गोंड समाज जमशेदपुर के अध्यक्ष दिनेश साह को केंद्रीय नेतृत्व द्वारा पुनः पांच वर्षों के लिए अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर महिला समिति की ओर से उनका सम्मान किया जाएगा। उनके सम्मान में कराओके गीतों की विशेष प्रस्तुति भी होगी।महोत्सव

में महिला सावन उत्सव, युवतियों का सावन उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम, महिला-पुरुष कराओके गायन, बच्चों की नृत्य एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित होगी। चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों को घर से चित्र बनाकर लाना होगा। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों के लिए भोजन की व्यवस्था रहेगी।आयोजकों के अनुसार, मानगो, डिमना, कदमा, बिष्टुपुर, सोनारी, साकची, जुगसलाई, आदित्यपुर, गम्हरिया समेत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल होंगे। विशेष कार्यकताओं के रूप में भगवंती मरकाम, मंजू देवी और माला कुमारी व चंपा देवी की भूमिका रहेगी।

साकची गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के ट्रस्टी अवतार सिंह भामरा का निधन

जमशेदपुर : गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी साकची के ट्रस्टी अवतार सिंह भामरा का बुधवार को 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही जमशेदपुर के सिख समाज में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार बुधवार दोपहर 12 बजे स्वर्णरेखा बर्निंग घाट, भुईयांडीह में किया जाएगा। अंतिम यात्रा उनके आवास से निकलेगी।साकची गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के प्रधान सरदार निशान सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अवतार सिंह भामरा का निधन सिख समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ट्रस्टी के साथ-साथ सेवादार के रूप में गुरुद्वारा साहिब साकची में लंबे समय तक सेवा दी और समाज का मार्गदर्शन किया।महासचिव परमजीत सिंह काले समेत गुरुद्वारा कमिटी के पदाधिकारियों, विभिन्न सिख संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने भी उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की कामना की।

वास्को द गामा एक्सप्रेस से बाल तस्कर गिरफ्तार, गया जेल

धनबाद : जसीडीह-वास्को द गामा एक्सप्रेस से किशोर को मजदूरी के लिए हैदराबाद ले जा रहे एक बाल तस्कर को रेल पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी बिहार बांका जयपुर थाना क्षेत्र के असनाहा निवासी अब्दुला को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तारी की रिपोर्ट अब्दुला के खिलाफ रेल थाना के एएसआई मिलन कुमार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने शिकायत में बताया कि 17 अगस्त को वह अपने साथी एएसआई नंदलाल राम और हवलदार लखन प्रसाद और जवान कुंदन कुमार राम के साथ रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी में तैनात थे। उन्हें सूचना मिली कि जसीडीह-वास्को द गामा एक्सप्रेस से कुछ बच्चों को मजदूरी कराने के लिए राज्य से बाहर हैदराबाद ले जाया जा रहा है।

गौरतलब है शाम करीब 4।25 बजे जब ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर छह पर आई तो उन्होंने टीम के साथ बोगी में चेकिंग की। ट्रेन के बी-3 बोगी में एक 13 साल का लड़का बर्थ नंबर 30 पर अकेले यात्रा करते पाया गया। पूछने पर उसने बताया कि अब्दुला उसे लेकर हैदराबाद जा रहा है। खोजबीन में अब्दुला ट्रेन के बी-2 बोगी में मिला पूछने पर उसने बताया कि हैदराबाद में असनाहा बांका का ही सरफराज शेठ रहता है। सरफराज ने बच्चे को राशन दुकान में काम कराने की बात कहकर बुलाया है।

कर्ज के कारण खुद को मारी थी गोली, आर्म्स एक्ट का केस दर्ज

धनबाद : सरायढेला कार्मिक नगर मोती नगर में श्री वीला अपार्टमेंट स्थित अपने फ्लैट में 13 अगस्त की रात लहूलुहान अवस्था में मिले 63 वर्षीय दीपक शर्मा का सच सामने आ गया है। दीपक की पत्नी गीता शर्मा ने सरायढेला थाना की पुलिस को बताया कि पति ने कर्ज के भारी बोझ के कारण अवसाद में आकर खुद को गोली मार ली थी। पुलिस ने सब इंस्पेक्टर सदानंद सिंह की लिखित शिकायत पर इलाजरत दीपक शर्मा के खिलाफ मंगलवार को सरायढेला थाना में आर्म्स एक्ट की धारा में प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने दीपक के सील फ्लैट से एक चाइना मेडल प्रतिबंधित रिवाल्वर जब्त किया है। रिवाल्वर में चार गोली लोड हैं, जबकि कमरे में दो खोखे भी मिले हैं। शुरूआत में पत्नी ने हथियार को लाइसेंसी बताया था लेकिन फिर से हुई पूछताछ में वह कागजात पेश नहीं कर सके। पुलिस दीपक के स्वस्थ होने की प्रतीक्षा में है। उनके ठीक होते ही उनसे प्रतिबंधित रिवल्वर और गोलियों के संबंध में पूछताछ की जाएगी। 13 अगस्त को गंभीर अवस्था में दीपक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था। उनके गर्दन में गोली लगी थी।

धनबाद में शुरू हुई त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी

धनबाद : नगर निकाय चुनाव के बाद अब पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य निर्वाचन विभाग ने सभी जिलों के पंचायती राज पदाधिकारी को पत्र लिखकर इसकी तैयारी में जुटने का निर्देश दिया है। मार्च 2027 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रस्तावित है। चुनाव को लेकर एक सितंबर को बूथों के प्रारूप का प्रकाशन होना है। जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने सभी बीडीओ को अपने-अपने प्रखंड के बूथों की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है। जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुशांत कुमार मुखर्जी ने बताया कि एक सितंबर को बूथों के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा।

पुलिस एनकाउंटर के बाद फॉरेंसिक जांच तेज, मौके से जुटाए जा रहे अहम साक्ष्य

संवाददाता

धनबाद : बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो अपराधियों के पैर में गोली लगी, जबकि तीसरा अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घायल अपराधियों की पहचान वासेपुर नूरी मस्जिद रोड निवासी 35 वर्षीय इरफान आलम उर्फ टुन्ना और पुटकी निवासी 36 वर्षीय नन्हे उर्फ नाजिर अंसारी के रूप में हुई है। दोनों का इलाज एसएनएमएमसीएच में कराया जा रहा है। पुलिस दोनों को प्रिंस खान और गोपी खान गिरोह से जुड़ा हुआ बता रही है।

एसएसपी और सिटी एसपी ने अस्पताल पहुंचकर लिया जायजा

मंगलवार को धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार और सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव एसएनएमएमसीएच पहुंचे। अधिकारियों ने अस्पताल में घायल दोनों आरोपियों की स्थिति की जानकारी ली और चिकित्सकों से इलाज को लेकर बातचीत की। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने पूरे मामले की जांच को लेकर संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस के मुताबिक, जमीन कारोबारी से पांच लाख रुपये की लेवी वसूलने के इरादे से तीन अपराधी बाइक पर सवार

होकर निरंकारी चौक पहुंचे थे। पुलिस को इसकी सूचना पहले ही मिल गई थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अपराधियों को घेरने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

अपराधियों ने बरवाअड्डा थाना की गश्ती गाड़ी को भी निशाना बनाया। अपराधियों की गोली गश्ती वाहन के शीशे में जा लगी, हालांकि वाहन चालक बाल-बाल बच गया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की, जिसमें इरफान आलम और नन्हे उर्फ नाजिर अंसारी के पैर में गोली लगी। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर तीसरा अपराधी मौके से भाग निकलने में सफल रहा।मुठभेड़ की सूचना के बाद रांची से एफएसएल यानी फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने मौके की बारीकी से जांच की और घटनास्थल से जरूरी नमूने जुटाए। पुलिस और फॉरेंसिक टीम की ओर से घटनास्थल से साक्ष्य भी एकत्र किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा। मुठभेड़ स्थल पर फोरेंसिक टीम पहुंच चुकी है। टीम घटनास्थल की बारीकी से जांच कर रही है और जरूरी नमूने एकत्रित किए जा रहे हैं। जांच के दौरान पुलिस ने मौके से एक मोटरसाइकिल, एक पिस्टल, चार कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस का दावा है कि बरामद मोबाइल फोन की जांच में गोपी खान से बातचीत से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। इन डिजिटल साक्ष्यों की भी पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, घायल इरफान आलम का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है और वह पूर्व में जेल जा चुका है तथा फिलहाल जमानत पर बाहर था। वहीं, नन्हे उर्फ नाजिर अंसारी के आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस अब फरार तीसरे अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। घायल दोनों आरोपियों से पूछताछ और बरामद मोबाइल फोन की जांच के आधार पर पुलिस इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है। पुलिस यह भी पता लगाने में लगी है कि जमीन कारोबारी से लेवी की मांग के पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे और इस वारदात की साजिश कहां से रची गई थी। एसएसपी प्रभात कुमार ने साफ कहा है कि जिले में संगठित अपराध को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा। पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि फरार अपराधी की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर हजारीबाग में खिलाड़ियों का महाकुंभ, 7 जिलों से 1288 खिलाड़ी करेंगे पार्टिसिपेट

संवाददाता

हजारीबाग : खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर हजारीबाग में 29, 30 और 31 अगस्त को खेलों का महाकुंभ लगने जा रहा है, जिसमें लगभग 1288 खिलाड़ी भाग लेंगे, इसे लेकर तैयारी जोरों से चल रही है। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के लिए नॉक आउट टूर्नामेंट का आयोजन हजारीबाग में किया जाएगा।

हजारीबाग में हो रहा है इस तरह का पहला आयोजन

जिला प्रशासन ने खिलाड़ियों के ठहरने और उनके खाने-पीने की व्यवस्था भी की है। हजारीबाग में इस तरह का पहला आयोजन हो रहा है, जिसकी शुरूआत 6 खेलों आर्चरी, खोखो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, फुटबॉल और एथलेटिक्स से होगी। वहीं प्रतियोगिता का आकर्षण 8 लाख 50 हजार रुपये का नगद पुरस्कार है। इसके अलावा मेडल, शील्ड देकर भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की तैयारी है। आयोजन हजारीबाग ओलंपिक संघ की देखरेख में किया जाएगा। हजारीबाग ओलंपिक संघ के जिलाध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने घोषणा की है कि 25 अगस्त को ओलंपिक मशाल और बैंड के साथ सभी खेल संघ और इस आयोजन से जुड़े लोग शहर में निकलेंगे। 29 को भव्य उद्घाटन में कस्तूरबा स्कूल की बच्चियों की प्रतिभा नजर आएगी। वहीं मेयर ने बताया कि स्टेडियम में 12 स्टैंड हैं, जिसे महापुरुषों के नाम से तैयार किया जा रहा है।

संघ के अध्यक्ष इसके लिए जिले के सभी खेल संघों से समन्वय बनाकर आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं और इसके लिए 11 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है, जिसमें हर्ष अजमेरा के अलावा मेयर अरविंद कुमार राणा, राकेश रंजन, करण जायसवाल, आलोक कुमार, भैया मुरारी, नीलेंदु जयपुरियार, प्रो। राखो हरि, चंद्रशेखर सिंह, परिमल, मंसूर आलम को शामिल किया गया है।

इसके साथ ही जिला खेल पदाधिकारी के नेतृत्व में तकनीकी कमेटी, खिलाड़ियों के लिए व्यवस्था, सीके दास को आयोजन के लिए समन्वय बनाने की जवाबदेही दी गई है।

खिलाड़ी, आयोजन में भाग लेने के लिए अपने जिले के जिला खेल पदाधिकारी को आवेदन करेंगे। जिले से खिलाड़ियों की सूची हजारीबाग जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाएगी। जिसके बाद खिलाड़ी जल्द से जल्द जिला खेल पदाधिकारी से संपर्क स्थापित करेंगे।

बता दें कि हजारीबाग में खिलाड़ियों का महाकुंभ लगने जा रहा है, जिसमें 7 जिलों से 1288 खिलाड़ी पार्टिसिपेट करने पहुंचेंगे। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय नॉक आउट टूर्नामेंट का आयोजन जिला मुख्यालय में होने जा रहा है। 29, 30 और 31 अगस्त तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में खिलाड़ी अपना दमखम दिखाएंगे।

हजारीबाग में जर्जर सड़क से परेशान ग्रामीण, धान रोपनी कर जताया विरोध

संवाददाता

हजारीबाग : देश आजादी का 80वां वर्षगांठ मना रहा है, लेकिन सड़क-पुल की स्थिति अभी भी लचर है। हजारीबाग का भी हाल कुछ ऐसा ही है। यहां के लोग अच्छे सड़क के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। जिले के इचाक प्रखंड के जोगीडीह गांव से फुफंदी चौक तक लगभग 9 किलोमीटर जर्जर सड़क को लेकर ग्रामीणों ने आंदोलन कर रखा है। ग्रामीणों ने सांकेतिक रूप से सड़क पर ही धान रोप कर सरकार से सड़क दुरुस्त करने की मांग की है।

दरअसल, हजारीबाग जिले के ईचाक प्रखंड अंतर्गत जोगीडीह गांव से फुफंदी चौक होते हुए मनाई चौक तक करीब 9 किलोमीटर लंबी सड़क की बदहाल स्थिति से ग्रामीण परेशान हैं। सड़क निर्माण की मांग को लेकर आज ग्रामीणों ने जर्जर सड़क पर सांकेतिक रूप से धान रोपनी कर विरोध जताया है।

ग्रामीणों का कहना है कि दरिया, बरका खुर्द और डाडीघाघर पंचायत समेत एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों का आवागमन इसी सड़क से होता है। पिछले करीब एक दशक से सड़क निर्माण नहीं होने के कारण बरसात में स्थिति और खराब हो जाती है। मरीजों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने में काफी परेशानी होती है।

वहीं, किसानों को फसल और बीज के आवागमन में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन और सरकार से जल्द सड़क निर्माण की मांग की है और चेतावनी दी कि शीघ्र पहल नहीं हुई तो आंदोलन तेज कर जिला प्रशासन कार्यालय का घेराव किया जाएगा। डाडीघाघर मुखिया नंदकिशोर कुमार का कहना है कि जर्जर सड़क के कारण ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द सड़क निर्माण की मांग की है।

मनियाडीह व बेलगड़िया में साइबर सुरक्षा जागरुकता पर रात्रि चौपाल

धनबाद : साइबर अपराध की रोकथाम एवं आमलोगों को साइबर ठगी से बचाने के उद्देश्य से जिले में संचालित साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार की रात चिरकुंडा, मनियाडीह के मथियारा गांव और बलियापुर थाना क्षेत्र के बेलगड़िया कॉलोनी में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। साथ ही मंगलवार को कई स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों, शिक्षकों और अन्य लोगों को साइबर अपराध के प्रति सतर्क किया गया। एसएसपी प्रभात कुमार ने जिले के सभी थाना प्रभारियों एवं ओपी प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र स्थित स्कूलों एवं कॉलेजों में हर दिन साइबर सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया है।

कार्यक्रमों से छात्रों और युवाओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी, केवाईसी अपडेट, फर्जी कॉल एवं सोशल मीडिया से होने वाले साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही शांति समिति, जन सहयोग समिति, चैंबर ऑफ कॉमर्स सहित विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों के साथ नियमित बैठक कर साइबर सुरक्षा से संबंधित जागरुकता संदेश आमलोगों तक पहुंचाने का निर्देश भी दिया गया है।

देवघर एम्स ने हृदय चिकित्सा की उपलब्धि, 65 वर्षीय मरीज का हुआ सफल इलाज

संवाददाता

देवघर : जिले के देवीपुर में बने एम्स ने हृदय चिकित्सा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान में पहली बार ऑर्बिटल एथेरेक्टॉमी और इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड निर्देशित कोरोनरी हस्तक्षेप से सफलतापूर्वक इलाज किया गया। इसके साथ ही हृदय रोग विभाग ने कैथ अक्टूबर 2025 में कैथ लैब शुरू होने के बाद 200 हृदय संबंधी प्रक्रियाएं पूरी करने का महत्वपूर्ण पड़ाव भी हासिल किया है।

65 वर्षीय मरीज में की गई प्रक्रिया

यह प्रक्रिया एक 65 वर्षीय पुरुष मरीज में की गई, जिन्हें पहले गंभीर हार्ट अटैक के बाद आपातकालीन एंजियोप्लास्टी की गई थी। बाद में किए गए नियोजित उपचार के दौरान हृदय की एक अन्य रक्त वाहिका में अत्यधिक कैल्शियम के कारण गंभीर रुकावट पाई गई। रुकावट इतनी कठोर थी कि सामान्य बैलून भी वहां तक नहीं पहुंच पा रहा था।

आईवीयूएस एक अत्याधुनिक इंट्रा वैस्कुलर इमेजिंग तकनीक है। जिसकी मदद से डॉक्टर रक्त वाहिका के अंदर की

रुकावट और उसकी प्रकृति को बेहद स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। इसी के साथ ऑर्बिटल एंथ्रेक्टमी एक विशेष तकनीक है, जो रक्त वाहिका के भीतर जमा अत्यधिक कठोर कैल्शियम को प्रभावी रूप से मोडिफाई करती है। जिससे ऐसी कैल्सिफाइड और अनक्रॉसेबल बलून रुकावटें भी एंजियोप्लास्टी के उपचार योग्य बनाई जा सकती है।

आधुनिक तकनीक से सफल इलाज

इन दोनों अत्याधुनिक तकनीकों की मदद से मरीज की जटिल रुकावट का सफलतापूर्वक उपचार किया गया। यह प्रक्रिया ह्रदय रोग विभाग के डॉक्टर सीबी पांडे और डॉक्टर स्मारक के नेतृत्व में हृदय रोग विभाग की टीम द्वारा की गई। इन तकनीकों के उपलब्ध होने के साथ देवघर का एम्स अब झारखंड के चुनिंदा हृदय चिकित्सा केंद्रों में शामिल हो गया है। जहां हृदय से जुड़ी गंभीर बीमारियों का भी इलाज होना संभव है।

अब मरीजों को कॉम्प्लेक्स पीसीआई , कैल्शियम मोडिफिकेशन, इंट्रा वैस्कुलर इमेजिंग, कंडेक्शन सिस्टम पैसिंग (उरढ) और स्ट्रक्चरल हार्ट इंटरवेंशन जैसी उन्नत प्रक्रियाएं देवघर के एम्स में ही उपलब्ध हो पाएंगे।

इस उपलब्धि के बाद हृदय रोग विभाग ने एम्स के कार्यकारी निदेशक का आभार व्यक्त किया। जिनके निरंतर सहयोग, प्रोत्साहन और दूरदर्शी नेतृत्व ने संस्थान में इन उन्नत चिकित्सा सुविधाओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह उपलब्धि झारखंड और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को अत्याधुनिक हृदय उपचार उनके घर के करीब उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।